कार्यवाही विवरण

M/s Prakash Industries Limited, Village-Hathneora, Tehsil-Champa, District-Janjgir-Champa (C.G.) Proposed expansion of Steel Plant by establishment of New Iron Ore Beneficiation (1.0 MTPA), New Iron Ore Pelletisation Unit (1.5 MTPA), New Coal Gasifier for Pellet Plant (5x8000 Nm^3/hr), New Coal Washery (2x1.0 MTPA), New Wire Rod/TMT Mill (4x0.25 MTPA), New Coal Gasifier for Wire Rod/TMT Mill (5x8000 Nm^3/hr), Expansion FBC Based Power Plant (162.5 MW to 165 MW) & Expansion of Oxygen Plant (8.0 TPD to 16 TPD) within the existing plant premises के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् **दिनांक 26/04/2023 को समय प्रातः 11:00 बजे, स्थान– कृषि उपज मंडी कोटाडबरी चांपा, तहसील–चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.)** में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार M/s Prakash Industries Limited, Village-Hathneora, Tehsil-Champa, District-Janjgir-Champa (C.G.) Proposed expansion of Steel Plant by establishment of New Iron Ore Beneficiation (1.0 MTPA), New Iron Ore Pelletisation Unit (1.5 MTPA), New Coal Gasifier for Pellet Plant (5x8000 Nm^3/hr), New Coal Washery (2x1.0 MTPA), New Wire Rod/TMT Mill (4x0.25 MTPA), New Coal Gasifier for Wire Rod/TMT Mill (5x8000 Nm^3/hr), Expansion FBC Based Power Plant (162.5 MW to 165 MW) & Expansion of Oxygen Plant (8.0 TPD to 16 TPD) within the existing plant premises के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय समाचार पत्र हरिभूमि, बिलासपुर में दिनांक 24.03.2023 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र द पायोनियर, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 24.03.2023 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक 26/04/2023 को समय प्रातः 11:00 बजे, स्थान– कृषि उपज मंडी कोटाडबरी चांपा, तहसील–चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कार्यालय कलेक्टर जांजगीर–चांपा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत जांजगीर–चांपा, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर, जिला–जांजगीर–चांपा, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र चांपा, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत –हथनेवरा, कोसमंदा, सिवनी, कोटाडबरी, कुरदा, बिरगहनी (च), पीथमपुर, सोंठी, कमरीद, आफरीद, उदयबंद, तहसील–चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.),**

डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को एक भी आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 26/04/2023 को समय प्रातः 11:00 बजे स्थानः–कृषि उपज मंडी कोटाडबरी चांपा, तहसील–चांपा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.)** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री एस.पी.वैद्य अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ देवव्रत मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री ए.के. चतुर्वेदी डायरेक्टर के द्वारा M/s Prakash Industries Limited, Village-Hathneora, Tehsil-Champa, District-Janjgir-Champa (C.G.) परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री हुलास राम उप सरपंच, हथनपेवारा** :–आज हम पीआईएल के द्वारा विस्तार जन सुनवाई में उपस्थित हुये है कि जन सुनवाई करना है कि नई करना है। मैं 30–32 साल पहले जो इस क्षेत्र की स्थिति पहले, जैसे कि मेरे को पहले अभास नहीं था कि कितना विकास, कितना क्षेत्र में व्यवसाय, रोजगार, 30–32 साल पहले मुझे समझने में मौका मिला जैसा कि क्षेत्र का विकास और व्यवसाय रोजगार क्षेत्र का कार्य इसमें जमीन आसमन का फर्क है। वो सिर्फ पीआईएल प्रकाश इण्डस्ट्रीज माननीय श्री चतुर्वेदी जी निर्देशन पीआईएल के द्वारा ही संभंव है। मैं आदरणीय पीआईएल श्री चतुर्वेदी जी निर्देशन और उनकी कार्य रोजगार का और जनहित मे जो भी कार्य है। उसको अच्छे से जैसे करते आये है, या कर रहे है। रोजगार का क्षेत्र हो, गांव का विकास का कार्य हो आदि में अच्छी तरह से सहयोग प्रदान करते रहे। पीआईएल का विस्तार का समर्थन करता हूँ।

2. **श्री नरेश कुमार पटेल, हथनेवरा** :– मेरा कहना है कि प्लांट बढाये हमें कोई आपत्ति नहीं है और आगे बढता रहे, हमें कोई आपतित नहीं रहेगा। प्लांट के बढने से हमारे क्षेत्र का विकास होगा। बेरोजगार को रोजगार मिलेगा। हमें कहीं बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। वो रोजगार हमको यही स्थानीय पीआईएल द्वारा जनहित में कई कार्य किये भी जाते है जो विकास का कार्य है। जैसे तालाब का गहरीकरण करवाना, पचरी बनाना और आवश्यता पडने पर एम्बुलेंस देना, जल का व्यवस्था करना, असहाय जिसको चलने में असमर्थ है उसके द्वारा साईकिल दिलाया जा रहा है। पेड़ पौधा भी दिया जा रहा है, इसी तरह विकास करते आ रहे है और हमें कोई आपत्ति नहीं है, आगे बढता रहें।

3. **श्री नरेन्द्र सिंह चंदेल, हथनेवरा** :– मैं कंपनी के द्वारा संयंत्र के द्वारा जो विस्तार करत हवय और विस्तार के समर्थक हव। मैं कंपनी मा लेबर से आज कंपनी मा एम्पलाई हव। मैं आर्थिक रूप से कमजोरी रहेव। आथिर्क कमजोरी के कारण बच्चा मन ला पढा नहीं सकेव। आजल मै। अपने लईका मन ला अच्छे से पढात हव। आर्थिक समस्य कम हो गये है। बेरोजगारी दूर होये हे। आर्थिक क्षमता कम होये हे। आर्थिक समस्या खत्म हो गये हे। आज आर्थिक रूप से समस्या खत्म हो गये है। पर्यावरण प्रदूषण के द्वारा प्लांट के द्वारा आधुनिक संयंत्र प्लांट मा

लगाये गये हवय। जेखर से जीरो प्रतिशत पालुशन होथे। भविष्य में भी जीरा प्रकार के पॉलुशन रहे।

4. **श्री मोहन लाल यादव, ग्राम–हथनेवरा** :–हम लोग 5–6 आदमी जो सारागांव देवरी में पहले आया था। हम लोग साईकिल से गये थे। सरपंच घासीराम पटेल व अन्य लोग गये थे। ये जीवित नदी है। सोन नदी में सारागांव देवरी में आया था। पहले हमारे यहां पीआईएल यहां आ रहा था। हमारे गांव के लोग हमलोग खूब विरोध किये है। प्लांट आयेगा तो बहुत पॉलुशन होगा, गांव छोडना पडेगा। आज प्लांट आ जाने से पूरा गांव चकाचक है। गांव के 10 कि.मी तक आते है। जांजगीर–चांपा को देख लीजिए कितना चकाचक हो गया है। प्लांट के आ जाने से किसी प्रकार से कोई दिक्कत नहीं है। जैसे हमारे गांव में नेशनल हाईवे आया है। जमीन का एकड 2000 था आज 2000 डिसमिल हो गया है। नेशनल हाईवे रोड से आज प्लांट के आने से गांव कितना आगे बढेगा। बच्चे बच्चे तरक्की करेंगे। पूरा गांव चकाचक है। प्लांट जितना आगे बढेगा उतना हम सब लोग आगे बढेंगे।

5. **श्री शेखर प्रसाद पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– पीआईएल परिसर को और बढावा दिया जाये। क्योंकि इससे गांव व आसपास के क्षेत्र में बहुत सा विकास हो रहा है। जो हमारे लिये और हमारी पीढी के लिए अत्यंत्र लाभदायक है। न्ये प्रोजेक्ट को बढावा दिया जाये।

6. **श्री माखन लाल पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :–हमारी समिति खेलकूल व बरसात के समय वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित करती है। जिसमें प्लांट द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इसी प्रकार प्लांट का विकास कार्य करते हुये ग्राम के महिलाओ को डिलवरी व हॉस्पिटल ले जाने के लिए प्लांट के द्वारा निशुल्क एम्बुलेंस प्रदान करती है। प्लांट द्वारा दह संस्कार के लिए लकडी भी प्रदान करती है। गरीब परिवार के क्रियाकर्म हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। साथ ही विवाह आदि हेतु आर्थिक मदद करती है। प्लांट के आने से ग्राम के लोगों को वर्तमान में उच्च शिक्षा, इंजीनियरिंग, केमिस्ट, सेम्पलर, इलेक्ट्रिशियन के पद पर कार्यरत है। प्लांट के द्वारा नया प्रोजेक्ट लगाने से लागों को रोजगार मिलेगा, भविष्य में सहयोग प्रदान करते रहे। नया प्रोजेक्ट लगने से हमें किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है।

7. **श्री तुलसी प्रसाद पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– मेरे पिता जी बचपन से पीआईएल में काम करके मुझे शिक्षित करा सके। अच्छी शिक्षा प्रदान कराये। पीआईएल के द्वारा मेरे पिताजी ने घर परिवार और मेरे भाई और मेरे बहन का शिक्षा अच्छे से संम्पन्न कराया। हमें पीआईएल के विस्तार एवं नये फैक्ट्री के निर्माण से कोई आपत्ति नहीं है। पीआईएल के विस्तार एवं नया प्रोजेक्ट लगने से हमारे ग्राम के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही हमारे ग्राम का विकास होगा।

8. **श्री रोहणी कुमार साहू, ग्राम–पीथमपुर सरपंच** :– आज पीआईएल के जन सुनवाई में हमारे क्षेत्र के संयंत्र बढने से हमारे क्षेत्र के विकास, नवजवान, युवा साथी, पढे लिखे बेरोजगारो को रोजगार मिले है और मिलते चले आ रहे है। तो हमे संयंत्र लगने से हमारे ग्राम पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।

9. **श्रीमती यमुना बाई पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– पीआईएल चांपा हमारे ग्राम हथनेवारा से अनेको विकास का कार्य किया गया है। जिसका कार्य करते हुये पीआईएल लिमिटेड हमारी समिति को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुये कार्यालय को फर्नीचर प्रदान किया है, साथ ही हमारे ग्राम में शादी छट्ठी, हेतु आर्थिक सहायता, तबियत खराब होने पर एम्बुलेंस हेतु निशुल्क की सुविधा ग्राम में समिति समाजिक कार्य के लिए पानी टैंकर व्यवस्था करते आ रहे है। पीआईएल लिमिटेड चांपा द्वारा नया प्रोजेक्ट लाने से लोगों को रोजगार मिलेगा। आज हमारे ग्राम के लोग प्लांट में अच्छ– अच्छे पद पर कार्य कर रहे है। प्लांट के आने से लोग पहले ग्राम के लोग कृषि पर जीवन यापन करते थें परंतु प्लांट के आने से लोग अच्छे से जीवन यापन कर रहे है। इसलिए हमारी समिति की ओर से प्लांट की नया प्रोजेक्ट लाने से आपत्ति नहीं है।

10. **श्री राजकमल पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– जो हमारे गांव में बेरोजगार भाई है 40–50 लोग पॉलीटेकनिक वाले को भी नौकरी लगना चाहिए और मैं भी बेरोजगार हूॅ। मेरे को भी ठेका मिलना चाहिए। गांव में जो समस्या है पीआईएल द्वारा जो कार्य कर रहे है सभी बढिया है।

11. **श्री अनुभव तिवारी, ग्राम–सारागांव** :– जब से प्लांट से खुले है। पिछले 35 साल करीब हो गये हे ये क्षेत्र के एको विकास नहीं होये है। पर्यावरण के बारे में सबंधित बात कहू। एक ठोक पेड़ क्षेत्र में नहीं लगे हे। एक ठोक भी स्वास्थ के सुविधा नही होये है। बगल में जाकर देखा देखिहा रायगढ मा हर जगह

जिंदल–जिंदल रायपुर तक के जिंदल है। लेकिन चांपा में कहू कि प्रकाश स्पंज के नाम नहीं है। ऐला आप मन के ध्यान मा देखे बर पडही। नदिया के हाल तो देख लेहा। नदिया के पानी मन जहर युक्त पानी पूरा ओमा वहां विकसित होवत है। गाय बछड्डू, हमारे संगी साथी मन सब कोई नहाते–धोते, पानी पीते, सब के नुकसान होवत है। सबके स्वास्थ्य खराब होवत हे। ये आसपास के जो ग्राम है जो ऐमा ठेका ले के रखे हे। ये गांव के मन के खून ला चूसो। रोज प्लांट में अतेक–अतेक धुआं उडत है राखड उडत हे। आप मन पूरा सक्ती तक चल देवा मैं सारागांव का रहने वाला हूँ सक्ती तक राखड–राखड उडावत है। ऐखर जिम्मेदार कौन हे। यहां से करीब 200 मीटर दूर मा ऐमन के प्लांट के एक ठोक प्लांटेशन लगे है छाल मा। एक ठोक धमदा मा लगे हे। तो ये गांव वाला मन क्या करही। गांव वाला मन के विष ला पीयत हे, खासत हे। ये प्लांट कहां लगे हे, हरियाली कहां लगा हे छाल मा, धमदा मा। हमको यहां पर बिजली, पानी, रोड, सडक, नाली युवक मन के रोजगार नहीं करत हे। एक युवा यहां नौकरी नहीं करत हे। नौकरी करत हे खाली नेता मन, दलाल मन, ओहू खाली पंच खाली मारत हे। बाहरी मा अगर दुघर्टना हो जावत हो जावत हे तो ऐखर जिम्मेदार कौन होही। बीच में एक्सीडेंट हो जा रहा है उसका जिम्मेदार कौन होगा। वो आदमी बाहर में मर जा रह है, बाहर में मर्डर कर दे रहा है। उसका जिम्मेदार आप होगे। कौन होगा उसका जिम्मेदार। यहां के युवा लोग को खाली खून को चुसा जा रहा है। यहां ढेका प्रथा चालू किया गया है ढेका प्रथा से मजदूरो का यहां पर पैमेंट दिया जा रहा है पैमेंट है 4500, मजदूरो को 3500 मिल रहा है। ये बीच का कौन खा रहा है कौन खून चुस रहा है। मजदूर को खून कौन चूस रहा है। 30–35 साल हो गये हे। नेता मन यहां पर सेठ होकर यहां पर कार्य करवात हे। यहां के युवा मन के विकास नहीं होवत हे। यहां स्वास्थ्य के सुविधा नहीं हे। पर्यावरण का कोई सुविधा नही है। प्लांट को बंद मत करीये। प्लांट में हमारे मजदूरो का पेट पल रहा है। पेट खाली पालन हो रहा है। पेट चल रहा है या घर चल रहा है मैं नहीं बोलूगा। पूरा बाहर के मजदूर यहां पर आकर नेता गिरी कर रहे है। उदय सिंह के पास मैं गया था। उदय सिंह वहां पर लेटर नहीं लेता रिसीव नहीं लेता। क्या ये प्लांट है। रिसीव लेना का सबको अधिकार है। यहां पर सब सुविधा, कोई काम नहीं हुआ है। स्वास्थ्य केन्द्र, रोड बनाईये जगह–जगह, रोड बनाईये जगह–जगह, नाली बनवाईये। 35 साल से ये लोग भुगत रहे है। बच्चें से जवान हो गये बच्चे। यहां का धूल खाते, खाते। आपको कार्यवाही करना ही है बच्चो, युवा, बुर्जुग के पक्ष में

कार्यवाही करीये। यहां पर जरूवत नहीं है आप लोगों का। दिल्ली से आये है तो कार्यवाही करके जाईये। यहां बोल के जाईये कि यहां पर पर्यावरण का ध्यान दिया जाये। स्वास्थ का ध्यान ध्यान दिया जाये। सुरक्षा का ध्यान दिया जाये।

12. **श्री कमल कुमार खरे, ग्राम–कोसमंदा** :– आज प्लांट ला खुले 35 साल हो गये। बाकी कोई भी क्षेत्र के युवा मन बेरोजगार है ठेकेदारी से काम मिलथे। वो भी 1 महीना और 2 महीना मा बैठा देथे। हमर क्षेत्र के कोसमंदा ला देखव, हथनेवरा, कोटाडबरी मा क्या विकास होये हे। क्या चीज के विकास होये है। हथनेवरा के मोहन भाई बोले है हमर ला बहुत कुछ सहायता मिलथे क्या चीज के सहायता मिले है बतावा। मैं ये नई बोलथव कि प्लांट ला बंद कर देवा। कोसमंदा चांपा मा प्लांट खुले हे रोजगार देवा, गांव के विकास ला भी ध्यान लगावा। प्लांट के सहयोग करे हन, हडताल करे हन, कि हमर गांव के क्षेत्र का विकास करीहा। 10 कि.मी. तक रोड, पचरी, समाजिक व्यवस्था, देबो कहिके सेठ साहब रहीस हे। ये सब ला आवेदन दिये रहेन कोई आवेदन के सुनवाई नहीं होये हे। मैं समस्त क्षेत्र के आये हे युवा साथी ला निवेदन करत हव कि प्लांट ला बंद नई करावा प्लांट के बंद कराये के हमर पॉवर नहीं हे। प्लांट बनहीं। गांव के क्षेत्र मा घूम के देख लेवा। आप मन के नजर मा आ जाही की कहां तक विकास होथे और कैसे विकास होथे।

13. **श्री राधेश्याम पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– प्रकाश के आये से विकास नई होये हैं। विकास होये हे भईया नव युवका लडका मन ला रोजगार मिले है। आज 10 साल पहले जे मनुष्य साईकिल मा चलत रहीस हे आज वो अपन मोटर साईकिल मा चलत हे और अपन बीबी–बच्चा मन ला पालन हवय। लेकिन ओखर रोजगार चलत हवय। भईया जेखर दुख हवय ओखर सुख भी हवय। रही सवाल विकास के तो विकास होथे। हा बिजली के विकास नहीं होवे है गांव मा बिजली के विकास नहीं होये हे। पानी मिले हवय और कई जगह चबुतरा बने हे।

14. **श्री दुर्गाप्रसाद कुर्रे, ग्राम–कोटाडबरी क्षेत्रीय सतनामी समाज अध्यक्ष** :–यहां विकास नहीं होता। बेरोजगार दूर नहीं किया गया। मैं उन लोग को कहना चाहता हूँ कि कोई कोटाडबरी या आसपास में घूमें ही नहीं हे। आज 30 साल पहले सन् 90 में पीआईएल का स्थापना हुआ है। यहां 30–33 साल हो गया है मैं बताना चाहता हूँ कि 30 साल पहले आधा से ज्यादा किसानी खत्म हो जाता

था तो उसके बाद सब दिल्ली काश्मीर चले जाते है। ईटा बनाने के लिए अपना जीवन यापन करने के लिए। आज समय यह है कि उस समय हर घर मिट्टी का होता था आज घर ईटा और लेंटर का है। रही बात बेरोजगारो की बात है मै। कहना चाहता हूॅ कि हर हाणी के पिछे कोई ऐसा बेरोजगारी नहीं है हर हाणी के पिछे रोजगार मिला है। 15 साल पहले जो हमारे पडोसी जो कोटाडबरी आश्रित के ग्राम है वार्ड नंबर 14 जो चरण नगर के नाम से जाना जाता है वहां बिजली की सुविधा नहीं था। वहां के व्यक्ति लोग अंधकार में दिया में अपना जीवन व्यक्ति व्यतीत करते थे। वो प्रकाश इण्डस्ट्रीय की देन है कि वहां लाईट खम्बा लगाया गया। 50 घर का पीआईएल अपने शासन में पटा कर उनके घर में मीटर लगाकर उन गरीब परिवार को पीआईएल रौशनी दिया। यहां से बहुत से गरीब आदमी लोग पढाई नई कर पाते थे, आज प्रकाश इण्डस्ट्रीज की देन है कि उनका पालन पोषण शिक्षा की व्यस्था किया जाता है। आज 2 बजे, 1 बजे किसी का स्वास्थ खराब हो जाये। किसी का अचानक एकदम तबियत खराब हो जाये। तो शासन का 112 के पहुंचने के पहले 10 मिनट पहले प्रकाश इण्डस्ट्रीज का एम्बुलेंस आता है और उसको हॉस्पिटल स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया जाता है। हमारे क्षेत्र कोई व्यक्ति कोई बुजुर्ग खत्म हो जाता है तो उसका लकडी का व्यवस्था जलाने के लिए हमारे प्रकाश इण्डस्ट्रीज हर घर करते है। पानी का समस्या। 15 साल पहले कोटाडबरी में पानी की कमी बहुत ज्यादा था। जिससे हमको परेशानी बहुत ज्यादा होता था। शासन से काई व्यव्सथा नहीं किया जाता था हैंण्डपंप खराब हो जाने की उपस्थिति में भी महीनों लगता था सुधारने के लिए। प्रकाश इण्डस्ट्रीज द्वारा कोटाडबरी में पाईप लाईन व्यवस्था दिया गया। हमारे आसपास के जितने हमारे चरण नगर में शासन के योजना से बहुत कम मिलेगा। बिल्कुल नही ंके समान मिलेगा कुछ बना हुआ। आप हर गली में जाओंगे तो मरघटी की बात हो कि गली की आपको प्रकाश का जरूर कुछ न कुछ बना हुआ जरूर दिखेगा। 2 महीना पहले हमारे शासकीय स्कूल में हमारे पानी का हैण्डपंप खराब हो गया था। महीनो दिन शासन से नगर पालिका से उसकी व्यवस्था उसके सुधार कार्य के लिए नहीं किया गया। छोटा–छोटा बच्चे रोड ते पानी भरने रोड तक आता था। ये प्रकाश इण्डस्ट्रीज की देन है। कोटाडबरी स्कूल में पानी टंकी की व्यस्था किया गया। ऐसे बहुत अनेको कार्य है जिसको किये गये है। व्यापारियों को बैठने के लिए व्यवस्था नहीं हुआ करता था कीचड़–पानी रहता था। ईधर से उधर भागते थे। वो प्रकाश इण्डस्ट्रीज है जो चुरा यहां समतलीकरण ही है जो चुरा डालकर बैठने का व्यवव्स्था कराया। ऐसा

अनेको कार्य है जो प्रकाश है जो अंधकार को भगाते है। मैं चतुवेर्दी जी को धन्यवाद दूंगा। वो अपना कंपनी बढाये और हमारे क्षेत्र के सारे बेरोजगार लोगो कों रोजगार ज्यादा से ज्यादा मिले। उनको सहयोग कार्य में ज्यादा से ज्यादा योगदान रहे। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज को पूरा बढने में सहभागती और सहयोग देता हॅू अनुमति देता हॅू।

15. **श्री तुलसीपाल, ग्राम–कोटाडबरी चांपा** :– मोर गांव मा इंजीनियर नहीं रहीस हे ये जब प्लांट बसीत ता। साहब ला बोल सकत हन कि हमर इंजीनियर ला लगा दे अब हमर क्षमता हो गये हे। प्लांट आये से इंजीनियर बन गये हे। कोई गरूवा चलाये कोई भैसा चलाये, कोई नागर जोतय। ये हम अपने तरफ से ला कहत हन कि कार्य ला आगे बढाये। हमन आपके के साथ हन।

16. **श्रीमती राठौर, ग्राम–सिवनी** :– बहुत बढिया विकास होवत हे। भईया आप मन ला पता नहीं है कि आप मन के जमीन ला जब शासन लेते, वो चाहे प्रधानमंत्री, चाहे मुख्यमंत्री ओहू भी आप मन ला भी पैसा देथे। काबर देथे, आपके हक हे। जबकि इतने बढे प्रोजेक्ट लगे हे। प्रकाश इण्डस्ट्रीज हा, आप मन के बफौती जमीन ला। इतने बडे प्लांट लगाये हे प्लांट के नुसान क्या है। हमर इतके गंगा की पवित्र हमर नदी दूषित हो गये, हमर पर्यावरण दूषित हो गये हे। हमर भविष्य हा जहर भर जात हे। हमर युवा पीढी मन जहर खात हन। रोजगार दिस हे। हमर देश मा नियम, कानून, अधिनियम है लेकिन सब इमन ला नियम, कानून, अधिनियम ला जीरो प्रतिशत मा बैठा दिये है। हमर जितका अधिनियम है पर्यावरण के नियम है। कानून के नियम है, पुनर्वास के नियम है। सबके नियम ला मटियामेट के रख दिये हे। आप अभी हथनेवरा गांव मा चले जाओ, एक भी पंचायत भवन नहीं है, शासकीय स्कूल नहीं है, भवन बनाना चाहिए। जबकि हमर सीएसआर के तहत स्कूल, भवन, क्या बनाये हे। एक स्टीमिट होते भईया हो। हमी मन बनाथन एक ठोक चबुतरा। चबुतरा के स्टीमिट होते कि ये नियम में ये करना है ये नियम मे ये करना है। पर्यावरण के अधिनियम हे, और औद्योगिक नियम में के तहत् ये मन कोई भी नियम के पालन नहीं करे हे। हमर भोला–भाला छत्तीसगढ़ के भाईया मन लूटा गये हे। जब इतका प्रोजेक्ट लगाये हे। भईया, दीदी मन बोझा धर के दिल्ली, जम्मू कश्मीर जावत हे। जबकि इतके बडे पॉवर प्रोजेक्ट हवय तो क्या बर जावत हे। क्या हमर छत्तीसगढ के भईया मन अनपढ–गवार हव जी। हमर छत्तीसगढ में यूपी, बिहार, राजस्थान के आदमी ला भरत हे। क्या बर भरत हे। ये हमर छत्तीसगढ के नकामी है कमजोरी हे। ये

क्षेत्र के भाई मन ला कहना चाहू, मजदूर भाई मन ला कहना चाहू। पूर्ण रूप से आप मन के शोषण होवत हे। जैसे भैया बताई यहां पर ये ग्रीन बेल्ट के पालन करना रहथे। क्या एको जगह पेड दिखत हे, ग्रीन बेल्ट के पालन होना चाहिए। वृक्षारोपण के पालन होना चाहिए। वो कोई अपने घर से नहीं लगाये वोमा शासन के नियम मा रहते। जब फ्री मा मिलने वाला चीज ला नहीं करत हे। तो अपन घर के चीज आप मन बोलत हा, इंजीनियर बन गये, बिजली मिल गये हे ?, पानी मिल गये हे, वो सब आप मन के अधिकार हे। आज हमर छत्तीसगढ़ के भोला भाला जनता ला लूटत हे। ये उदय सिंह कहां के है जी ये बिहार के है जी हमर छत्तीसगढ़ में ये बिहारी क्या करत हे। कौन छत्तीसगढ़ी बिहार में जाकर राज करत हे। राखड ला आज ओला बिजनेस बनाये हे। एक गरीब लडका टुकडा टुकडा हो गये। कोसमंदा कितना दूर रहीस हे। हमने वहां भवन बनाया, स्वास्थ केन्द्र गार्डन बनवाया। यहां की जनता क्यो पलायन कर रही है। एक कर्मचारी का वेतनमान होता है। किस कर्मचारी के कितना वेतनमान है। आप यहां स्टीमिट चिपकाईये तो कि जनता को पता चले। किस रेक के कर्मचारी का कितना वेतन हैं किस रेक के कर्मचारी का कितना वेतनमान है। हमर विकास हो गये हे हमर हक ला लूट के अपन घर ला भरे के काम करत हे। आप मन रात के आओ जी चेक करे हे। राखड मन ला हमन बर मरे बर रखत हे। बिजली के कहीं सुविधा नहीं है। हमर शासन के सुविधा अनुसार ला। फोर लेन क्या प्रकाश इण्डस्ट्रीज बनाये हे। ये कहां लिखे है जी की पीआईएल बनाये हे। ग्रीन बेल्ट क्या होवत हे। पर्यावरण के क्या दिशा निर्देश होते। आगे प्रोजेक्ट के घोर निंदा करत है। हमर जनता और जनप्रतिनिधि के तरफ से ये ये प्लांट आगे मत बढे। आगे बढने वाला प्रोजेक्ट, आगे नहीं बढना चाहिए बंद होना चाहिए।

17. **श्रीमती लक्ष्मीन बाई, ग्राम–कोटाडबरी** :– तीन बार पार्षद रहे, साहब मन से मिले जाये तो पढे लिखे वाली बोले रहे। आज हम वही से सीखे है पढे लिखे वाली बात ला, विकास वाली बात है, हैण्डपंप वहां नहीं है साहब वहां हैण्डपंप लगाईये। सभी पानी टंकी, गांव मा कनेक्शन है। ये सब यहां सुविधा दिये गये है। मेरे को कोई प्रकार का आपत्ति नहीं है। प्लांट बढही तो बेरोजगार मन ला काम मिलही मोला कोई प्रकार के आपत्ति नहीं है।

18. **श्री गौतम राठौर, ग्राम–कोसमंदा पूर्व सरपंच** :– ये प्लांट खुले है तो रोजगार जरूर मिले है। मैं कहना चाहत हव हर गांव मो आईटीआई करे, इंजीनियरिंग करे हे, बडे बडे कोर्स करे है। ये क्षेत्र के आथन कौन झन नौकरी करत हन।

राखड के बुता मन ला ये मजदूर मन रोज मर के जीयत हे वौसने बुता हमन करे बर ये मेर हवन। मैं कहना चाहत हव कि पूर्व में कोसमंदा गांव के सरपंच रहव बहुत सारा समस्या रहीस हे गांव के समस्या मन ला बताये के कोशिश करे लेकिन खाली झूठा आश्वासन मिलीस। बहुत प्रयास करीन मोर छोटे से मांग ला पूरा करीस जो बताने के वाजीब नहीं है। यह कोसमंदा ला शिक्षा मा, चिकित्सा मा, रोड मा, नाली मा, पानी मा कोई चीज के हमर गांव ला देवय होही। तो मैं इस प्लांट के जरूर प्रशंसा करहू और तारीफ करहू। मोर गांव के लोग पढे हवय कोशिश करीन हे। हमर गांव रोड मा नाली मा सुविधा दिये होही। गरीब गांव मा आते। किसानी मा आही। 90 प्रतिशत, 95 प्रतिशत गांव निर्भर है। पढे–लिखे लईका का शिविर लागावे हमर गांव मा, आसपास प्रभावित गांव मा अच्छा नौकरी देवय। तो ये जन सुनवाई सार्थक है। तो नहीं ये जन सुनवाई के मैं घोर विरोध करत हव। मोर तरफ से मनजूर नहीं है तो मोर तरफ से तुरंत केंसल किया जाये।

19. **श्री कन्हैया लाल पटेल, ग्राम–सोठी** :– मोर गांव 6–7 किलो मीटर दूर है ज्यादा दूर नहीं है। यहां के जो आब हवा जावत हे। मोर गांव मा प्रदूषण फैलत हे। और बीमार भी होवत हे। ओखर बार मैं कई बार सूचना दे चुके हव। राखड मोर गांव मा दलदल, कच्ची रोड, सडक ऐखर बार के 3 बार आवेदन दिये हव। कि राखड ला पटवा देवा, पटवा देवा। लेकिन हमर कोई प्रकार से सुनवाई नहीं हुईस। हमर जो प्लांट बने हे। तरक्की होवय? हमार गांव के बेराजगार मन ला रोजगार मिले। हमर गांव मा जो बीमारी फैलत हे। ओखर दवाई पानी इलाई सब करवाये।

20. **श्री राजू कुमार सर्यूवंशी, ग्राम–बनारी** :– ये प्लांट के समर्थन करत हव। वहां विरोध करे गये रहव। ये प्लांट के इसलिये समर्थन करत हव। कि ये प्लांट रोजी रोटी दिये हे। प्रकाश इण्डस्ट्रीज राखड ला हमर खेत मा पाटना चाहिए। विरोध नहीं करथन भाई बेरोजगार, प्लांट के समर्थन मा बोलत थन। बेरोजगारी प्रदूषण मा मरना तो है ही। हमन के रोजी–रोटी चलना चाहिए। बेरोजगार मन ला रोजगार मिलना चाहिए। नई मिलही रोजी–रोटी तो मैं ईट से ईट बजा देहूॅ। समर्थन में हन।

21. **श्री चीमन पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– डिपलोमा होल्डर हूॅ। 5 साल से रोजगार के लिए भटक रहा हूॅ प्रकाश इण्डस्ट्रीज में। अभी छठवा किलन चालू हुआ है।

80 प्रतिशत उडीसा, बिहार से यहां के लडको को यहां भरे है। यहां पढे लिखे लोगो को रोजगार नहीं मिला है। जितना ठेकेदारी में जाते है उनको रोजगार दिया जाता है। पढे लिखे युवाओं को रोजगार नहीं दिया जाता है। मैं चाहता हूॅ कि प्रकाश इण्डस्ट्रीज यहां पर स्वास्थ्य केन्द्र खोले यहां पे। जो भी गोदनामा लिये है गोदनामा, यहां पर इलाज करावे प्रकाश इण्डस्ट्रीज। शिक्षा का बात है 30 साल हो गये प्लांट को यहां खाली प्राथमिक शाला है यहां प्रकाश इण्डस्ट्रीज अपना यहां पर स्कूल चलाये। गरीब बच्चे है मजदूर के उनको शिक्षा दे।

22. **श्री चेतनराम पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– प्रकाश के आने से हमारे गावं हथनेवरा मा हरियाली छा गया है। जितने भी बेरोजगार थे उनको रोजगार मिल गया है। योग्य अनुसार पढे लिखे को काम मिलेगा।

23. **श्री अभिषेक मिश्रा, जांजगीर–चांपा आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष** :–30 साल हो गया। 28 साल हो गया प्रकाश इण्डस्ट्रीज को लगे। 30 साल में भी एक ऐसा स्कूल नहीं खुल पाया। जिसमें स्कूल में 10 हजार, 12 हजार, 15 हजार, पाने वाले मजदूर अपने बच्चो को पढा सके। इससे दुखद क्या हो सकता है। पिछले 30–35 साल से एक भी 10–20 बिस्तर वाला अस्पताल नहीं बन पाया। जहां यहां पर गरीब परिवार वाले मजदूर अपने परिवार का मुफ्त में इलाज करा सकें। इससे दुखत क्या हो सकता है। सीएसआर में कोई एक्टीविटी मेरे को कोई नजर नहीं आती है। सीएसआर में ऐसी एक्टीविटी बडी तो नहीं दिखती। ठीक है प्लांट लगना चाहिए। मैं नई बोलता कि प्लांट नहीं लगना चाहिए। प्लांट तो चल ही रहा है रही बात प्लांट एक्सटेंशन की बात एक्सटेंशन तब होना चाहिए। पहले से चलता हुआ प्लांट है वो पहले जिन शर्ते से लगा हुआ था। वो शर्तो का पूरा करें। तो निश्चित रूप से उसका एक्सटेंशन होना चाहिए। पहले से लगा हुआ प्लांट है। जिस शर्तो पे लगा था जिस शर्तो को अपने पैरो से रौंद रहा है। उस स्थिति में मैं नही समझ सकता कि इस प्लांट कमो एक्सटेंशन चलना चाहिए। ग्रीन बेल्ट की बात कर रहे थे। फ्लाई ऐश की बात कर रहे थ। फ्लाई ऐश अपने में बहुत बडी समस्या है। लगभग यहां पर उपस्थित सब लोग जानते है। फ्लाई ऐश बहुत बडी समस्या है। ऐसी कोई भी समस्या नहीं है पूरे विश्व में जिसका निदान नहीं हो सक सके। फ्लाई ऐश का भी निदान हो सकता है कि अपकी नियत हो तो। उसके लिए कुछ पैसे ज्यादा खर्च करने पडते है। उसको आप डिस्पोज करे तो। कोई बोलने वाला नहीं है तो कहीं पर भी डम्प कर देते हे। पिछले सालो से चल रहे है। जो शर्ते का वो पालन करते है। तभी उनको

एक्सटेंशन मिलना चाहिए। जब तक एक अच्छा स्कूल, यहां के बच्चे पढने के लिए गुरूकुल स्कूल जाते है। प्राईवेट स्कूल जाते है। जब तक एक अच्छा स्कूल और अच्छा अस्पताल नहीं बनातें तब तक इनको एक्सटेंशन यहां पर नहीं मिलना चाहिए। जन सुनाई को रद करने 01 महीना व 02 महीने बाद फिर से जन सुनवाई रखना चाहिए।

24. **श्री जयचंद्र जवे, सरपंच प्रतिनिधि** :– पीआईएल और बढाने वाला काम हो रहा है हम लोग समर्थन करते है। पीआईएल से ये कहना चाहता है जितना भी वर्कर लेना चाहते है वो ज्यादा भर ले, ज्यादा छत्तीसगढ़ का होना चाहिए। बाहर का नहीं होना चाहिए। सभी हमारे किसान भाईयों को उद्योग में शामिल करके उन लोग का समर्थन मंगवाना चाहिए।

25. **श्री नरसिंह कुमार साहू, ग्राम–कुरदा** :– प्लांट के विस्तार के लिए हमें बुलाया गया था। प्लांट के नये विस्तार व ग्राम पंचायत कुरदा को पूर्ण रूप से आपत्ति है। क्योंकि हमारे ग्राम पंचायत कुरदा को प्लांट की ओर से सड़क, शिक्षा, व मूलभूत सुविधाओं का कभी इसका लाभ नहीं मिला। प्लांट प्रबंधन अपने डस्ट को बेचकर अपना पैसा बना रही है। लेकिन जो आसपास के गांव है वो मूलभूत सुविधा से सबको वंचित रखे हुये है। इसलिए ग्राम पंचायत कुरदा इसको पूर्ण रूप से आपत्ति दर्ज करती है।

26. **श्री किसन लाल सूर्यवंशी, ग्राम–हथनेवरा** :– प्लांट को धीरे–धीरे आगे बढा रहा है। धीरे–धीरे आगे न बढाकर पूरा गांव को उछाल दे वो। बीच हसदेव नदी में हथनेवरा बस्ती को बसा दे। ताकि बडे वाला बाढ़ आये और बराबर महानदी होते हुये वो गंगा नदी में उसको बराबर कर दे। जितना बढाना चाह रहा है बढा दे। हमारे गांव के नवयुवक रोड़ में घूम रहे है दारूपीकर, गांजा पीकर, चोरी कर रहे है। बाहर–बाहर से उडीसा, छत्तीसगढ़ से यहां आदमी खडा हो रहा है । हमोर यहां सोंठी, कोसमंदा, बडे–बडे आदमी रोड़ में घूम रहे है। जबरदस्ती गांजा, दारू पी रहे है वो लोग।

27. **श्री धनंजय कुमार यादव, ग्राम–हथनेवरा** :– नये प्रोजेक्ट कार्य का समर्थन करता हॅू। गांव के समस्त बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने का आवश्वासन करता हॅू। इसका समर्थन करता हॅू।

28. **श्री राजेन्द्र कुमार राठौर, ग्राम–सिवनी** :– आप लोगों ने देखा है करोना काल में घर से निकलना मुश्किल होता था। इन लोगों को द्वारा जबरदस्ती काम में बुलाया जाता था और पीछे के रास्ते से निकलवाया जाता था। इन लोग का आज भी शोषण कर रहे है और आने वाले समय में शोषण करेंगे। इन लोगों को काम है गरीबो का खून चूसना। रही बात विकास की बात है प्लांट के द्वारा जो–जो विकास कार्य किया गया है सब फर्जी नियम में उल्लेख रहता है कौन–कौन सा कार्य करेंगे। सीएसआर मद के तहत् क्या–क्या विकास करना है। जितने भी ठेकेदार है ठेकेदार लोग मजदूरो को मजदूरी उपलब्ध करा देते है लेकिन ठेकेदार भी मजदूरो का खून चुसते है। उनको कम दर में मजदूरी दिया जाता है, ठेकेदारो के द्वारा। रही बात इस प्लांट के द्वारा ग्रीन बेल्ट का पालन भी नहीं किया जाता है। मैं रात को गुजरता हूँ तो इन लोग भारी मात्रा में चिमनी से इन लोग डस्ट (राखड़) उडाते है। जिसमें आसपास के क्षेत्र के लोगों को बहुत सारीयां बीमारियां होती है। अन्य बीमारी से जूझना पडता है। इलाज के लिए प्रबंधक द्वारा किसी प्रकार का भुगतान नहीं किया जाता है। किया जाता है तो सिर्फ जहर दिया जाता है। इसलिए इस प्लांट का आगे विस्तार न हो। जो है जितन में रहे।

29. **श्री उदास सिंह गलहोत** :– अभी तक जनसुनवाई की बात की जा रही है। प्लांट प्रबंधक के द्वारा अपन प्लांट बढाया जाये। लेकिन अभी तक प्लांट लगे हे उद्योग नीति का पालन नहीं किया जा रहा है। मजदूर मन के सही ढंग से रोजगार मा अधिकार मिले। जितका छत्तीसगढिया आदमी हवय वो सबके–सब लेबर हवय। 80 प्रतिशत अधिकारी वर्ग के है। बडे पोस्ट मा हे, वो सब बाहरी मन है। 20 प्रतिशत मन ला स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल पाये हे। प्लांट लगत हे, प्लांट बनत हे ओमा 80 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। आज तक के रोजगार नही दिये जावत हे। आप मन के उद्योग लगे हे ओखर राखड है जांजगीर तक जाथे। अकलतरा तक जाथे। आज हम बडी बना के खाथन ओला सुखाबो तो करिया हो जाथे। क्या बर राखड उड के जाथे। टोटल बीमारी फैलावत हे। सीएसआई के राशि जन प्रतिनिधि व अधिकारी मन के जेब मा जावत हे। स्थानी मन के कुल प्रकार के काम नहीं होना है। कोई प्रकार के काम नहीं होवत हे। जन सुनवाई रोका जाये। क्षेत्र में स्वास्थ्य के सुविधा, शिक्षा के सुविधा या अन्य प्रकार की सुविधा ये प्लांट वाला ला करवाना है वो पहले करवा ले। ओखर बाद तुरंत जन सुनवाई करवाये जाये। ओखर बाद

काम ठीक ठाक रही तो प्लांट विस्तार के हमन सहमति जताबो। अन्यथा हमन के पूरा–पूरा विरोध हे। प्लांट मा जनसुनवाई कराये जाने में रोक लगाये जाये।

30. **श्री बादल सिंह, हथनेवरा** :– इस प्लांट में 50 साल हो गया है। एडवोंस मंगाने से, पेमेंन्ट नहीं मिला है बोनस नहीं मिला है। 3–4 महीना पैमेंट हो गया है। बोनस नहीं मिला हे।

31. **श्री संजय रत्नाकर, ग्राम–कोसमंदा जनपद सदस्य** :–अभी हमारा भाई बोला एकदम सत्य बात है। आने वाले समय में उसका गेट बंद कर दिया जायेगा। क्योंकि आज तक जितना भी मजदूर प्लांट के खिलाफ अवाज उठाया है। तो उसको अपना नौकरी से हाथ धो बैठा है। इस प्रकाश इण्ड. से बता देता हूॅ कोसमंदा में, हथनेवरा में विकास की लहर दौडी है तो वो है महामारी ही विकास की लहर है। प्रकाश इण्ड. के आने से आसपास के किसान है कोसमंदा, कालापानी, हथनेवरा इनके जमीन को अधिग्रहण किया गया है अभी तक इनको मुआवजा नहीं मिला है। फर्जी तरीके से स्वयं का मेरा भी 3 एकड़ जमीन है। कहां कोसमंदा क जमीन और यहां प्रकाश इण्डस्ट्रीज कुछ दलाल व्यक्ति के द्वारा किसान के जमीन को कनपट्टी में बंदूक रखकर इनके गुंडो द्वारा रजिस्ट्री कराया गया है। मेरा पास पूरा फाईल लेकर आया हूॅ। प्रधानमंत्री तक मैं अपना आवेदन देकर आया हूॅ। एसडीएम का चक्कर काटते–काटते मेरा जूना घीस गया है। किसान परेशान हो गये है। सबको आवेदन दिया गया है। यहां बर्बाद करने वाले हमारे साथी भी है। जो इनका विरोध भी कर रहे है। वो लोग खुश है। कुछ प्लांट से कुछ मिल रहा है। व्यक्तिगत, हमारा जमीर भी जिंदा है। प्रकाश इण्ड. क्षेत्र के लिए, पर्यावरण के लिए कुछ भी विकास नहीं किया है। युवा साथी दर–दर भटक रहे है और इस प्लांट के आने से कई किसान जम्मू कश्मीर में बेलचा मार रहे हे। इसका भुगतना मैं खुद भुगता हूॅ। खुद मैं 15 साल मजदूरी किया हूॅ गांव में। हमारे जमीन जाने के बाद में किसानी करने का फायदा नहीं है। नौकर देने के नाम से सभी को 10 रूपये को स्टाम्प का शपथ पत्र भी दिया गया है। ये गलती किया है प्रकाश इण्डस्ट्रीज। मजदूर का आवाज उठा दिया तो गेट बंद कर दिया। अगर उस दिन नहीं भागते तो उस दिन इनका मर्डर करा दिया जाता है। मैं कोई हवा में बात नहीं कर रहा हूॅ एकदम सत्य बात कर रहा हूॅ। हमसे आवेदन लिजीए। पिछे के गेट से सब मजदूर को अंदर लिया जा रहा था। हमन वहां जाकर रोका तो हमारे साथ भी मारपीट किया। हमने थाने में भी आवेदन भी दिये सब पेंडिंग में पढा है। यहां गरीबो का सुनने वाला कोई नहीं

है। सिर्फ आवाज को दबाने का काम किया है। सीएसआर मद होता है वो सुनने से ही अच्छा लगता है। और सीएसआर मद में अभी तक एवं आसपास ग्राम में एक चवन्नी तक नहीं दिया हैं। कई बार फोन करता है तो एम्बुलेंस के लिए। बोलते है जो आदमी मर जाता है उसके लिए लकडी देते है। कहां मिलता है सर कम से कम बीसो बार आना पडता है। 20,000 खर्चा हो जाता है 2,000 के लिए। विकास के नाम पे यहां पर ठगी हो रहा है। विकास उनका हो रहा है जिनका समर्थन करते है। बाकी विरोध करते है वो मर गये है। या फिर जला दिया गया है। पर्यावरणर का तो नाम मिट्‌टी में मिला दिये है। पर्यावरण के विकास के लिए एक भी पेड नहीं लगाये है। युवा साथी को समझने आये है तो आप हमारे गांव में एक बार भम्रण करके देखिए। आपको सत्य का पता लग जायेगा।

32. **श्री गणेश प्रभू कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष** :– मैं पीआईएल में 13/81 मे कितना जगह जला हुआ है मैं अभी दिखा दूंगा। प्रकाश लिमिटेड प्रकाश देने वाला नहीं है अंधकार देने वाला है। मेरे को झूठा अश्वासन दिया गया। दे दिया जायेगा, मौका दे दिया जायेगा। मैं मीठलबरा मन के बात में आ के प्रकाश के विरोध मा नहीं रहेव। प्रकाश मन आज तक क्या देथे भाईमन धोका। जतना गांव के आसपास मा भुक्त भोगी मन हन। पूरा गांव मा एक्सीडेंट मा मरथे, प्रकाश के ट्रक मा।
सेमी नहीं होये, तिवरा नहीं होये दाल नहीं होये, राहर दाल नहीं होये। तीन चार आदमी मर गये है मैं अगर नहीं भागे रहते तो मोला मरवा देतीस। सबके रिश्तेदार है बडे–बडे पोस्ट मा। हमन बेलचा मार–मार के मन जाथे। अगर आज प्रकाश के नियम मा अपोजिट मा बोले हे 5 साल बाद पता चलही बाबाजी के घंटी मिलही। कुछ नहीं मिले। ये प्लांट ला बढे मन देवा जतका में है उतका में चलने देवा। काबर अधिकारी के बेटा पढही तो इंजीनियर बनही। इंजीनियर के बेटा फीटर बनही तो ओला नौकरी मिलही। हमर बेटा बेलचा मारही। नियम से चलाही तो एनओसी मिलही। प्रकाश यहां झाके नहीं आये। छत्तीसगढीयां कितना मन आईटीआई करे हे हाथ उंचा करा हे इमन ला नौकरी नहीं मिलही। देखा बेरोजगारी मन ला। आप मन से निवेदन है कि आदमी मन के ला एक बार मौका मिलथे।

33. **श्री धनंजय सूर्यवंशी, ग्राम–अकलतरा** :– आज इस प्लांट को हथनेवरा गांव में बसे लगभग 27 साल बताया जा रहा है। मैं यह बात बोलना चाहूंगा। प्रकाश इण्ड. प्लांट को आगे ले जाने के लिए जो जन सुनवाई का कार्यक्रम रखे गये है

ये जन सुनवाई निरस्त किया जाना चाहिए। क्योंकि यहां पर रोजगार की बात कर रहे है 80 प्रतिशत यूपी, बिहार, उडीसा, झारखण्ड से अन्य राज्यों से बाहर से लाया जाता है। वहां सभी को यहां नौकरी लगाया जा रहा है। हथनेवरा, घटोली, कुसमंदा, कोटाडबरी को गोदीनामा में लिये हे। आप इस गांव के युवाओं ें को रोजगार क्यों नहीं दे रहे है। मैं प्लांट के दरवाजे में 10 बार गया हॅू। मुझे प्लांट में घूसने नहीं दिया जाता है। 80 ऐसे लडके है जो पढे–लिखे है वो बेरोजगार है हथनेवारा गांव के लोगों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। वो इसलिए चोरी करते है। अगर आप नौकरी देते है तो वे लोग चोरी नही करेंगे। आपके प्लांट में जाके आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। हम तो बेराजगार युवा है। हथनेवरा गांव के लडके है उनको प्रत्येक घर के लडके को एम्प्रलाई बनाईये। हथनेवरा गांव के लडके 5–5, 6–6 हजार में नौकरी कर रहे है। मै। चाहता हॅू जो जैसा पढा लिखा है, जिनकी जितनी योग्यता है, जितनी क्वालिटी है आप उनपको जांचिये। आप इंटरव्यू हके लिए बुलाते है आप उनको इंटरव्यूह के लिए जाने नहीं देते। हमारे डिग्री से चाय बनेगी। हमारे पिताजी हमको इतनी मेहनत करके पढाये–लिखाये है। वो किस लिये पढाये है। हमारी डिग्री से चाय बनेगी। मैं चाहता हॅू जितने पढे लिखे बेरोजगार युवाये है। आप उन लोगों को नौकरी दे, आप उनको अपने कार्य स्थल में रखिये। इस जन सुनवाई को रद किया जाये।

34. **श्री घनश्याम साहू, ग्राम–हथनेवरा** :– मेरे पिताजी 15 साल से पीआईएल में कार्यरत हैं। जिससे मुझे एज्युकेशन दिलाया। मेरे पढाई पूर्ण होने के पश्चात् पीआईएल में कार्य करने का मौका मिला। आज मैं पीआईएल में डिप्लोमा इंजीनियर हॅू मैं पीआईएल का समर्थन करता हॅू तथा पीआईएल में विस्तार का समर्थन करता हॅू। इससे पढे लिखे बेरोजगार साथियों को योग्यता अनुसार कार्य मिलें। पीआईएल में कार्य कर उन्नति करें।

35. **श्री विकास तिवारी, समाचार पत्र चीफ जांजगीर–चांपा** :– पीआईएल को जहां तक मैं जानता हॅू पर्यावरण के क्षेत्र में जीरो ध्यान दिया है। इनकी जितनी भी डस्ट हमारे द्वारा खाया जाता है। ट्रको से इनकी सामग्री जाती है। उनका धूल हमको मिलता है। इनके द्वारा राखड हमारी हसदेव नदी में डाला जाता है। मैं पीआईएल का कर्मचारी भी नहीं हॅू, होता तो इनका समर्थन भी नहीं करता। इसके सीएसआर मद का पैसा है वो चांपा में दिया जाना चाहिए। हथनेवरा उसके आसपास आश्रित ग्रामों को दिया जाना चाहिए। जो नहीं दिया जाता है

इसका पैसा कलेक्ट्रेड में जाता है। करोना काल के समय उसके आसपास के पैसा का दुरूपयोग किया गया है। वो पैसा चांपा के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। हमारे द्वारा धूल खाया जा रहा है। यहां पर जितनी भी नौकरी दी जा रही है उसमें 50 प्रतिशत आरक्षण स्थानीय लोगों को दिया जाना चाहिए। तो हम इसके बारे में विचार रख सकते है। ये जनसुनवाई को आगे बढाने ले जा सकते है। इसका विरोध नहीं करेंगे। लेकिन 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसा उसको लेबर में नहीं डाला जायेगा उसको आफिसर में लेंगे। ये नहीं 50 लोगों को लेकर डाल लिये उनकी स्थिति कीडे–मकौडे की तरह होगी। हमारे स्थानीय लोगों को वरियता देनी चाहिए। तो इस जनसुनवाई को आगे बढाने के लिए मांग रख सकते है। इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूॅ।

36. **श्री चंद्रभान पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– अभी तक मुझे रोजगार नहीं मिला है। मैं रोजगार के लिए रिजुम जमा करने जाता हूॅ तो गेट के सामने रोका जाता है। हमें रोजगार प्रदान किजीए। हम लोग को रोजगार मिलेगा तो प्लांट के पक्ष में रहेंगे, रोजगार नहीं मिलेगा तो विरोध करेंगे। हमारे योग्यता के आधार पर रोजगार दे। कंपनी में रोजगार दे।

37. **श्री संजय कुमार पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज का विस्तार का समर्थन करता हूॅ और प्रकाश इण्डस्ट्रीज का विस्तार होना चाहिए। जिससे हम पढे लिखे विद्यार्थी को ग्रेजवेट, पोस्ट ग्रेजवेट, डिप्लोमा विस्तार के पश्चात रोजगार मिलना चाहिए।

38. **श्री भागवत प्रसाद केवट, ग्राम–हथनेवरा** :–हमारे ग्राम के जितने भी बेरोजगार युवा है उनको योग्यता के आधार पर सभी को समान रूप से परमानेंट काम दिया जाये और हमारे गांव हथनेवरा में बच्चों को पढने के लिए एक अच्छा से हायर सेकेण्डरी स्कूल, कक्षा 12 वीं तक शाला भवन सहित निर्माण किया जाना चाहिए। हमारे ग्राम–हथनेवरा के गरीब परिवार के लिए एक हास्पिटल या एक स्वास्थ केन्द्र का निर्माण करें एवं हमारे ग्राम–हथनेवरा में समाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक सर्वसुविधा युक्त एक मंगल भवन, धर्मशाला का निर्माण किया जाये। हमारे ग्राम के कृषि क्षेत्र को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कृषि क्षेत्र को बढावा देने के लिए एक सर्वसुविधा युक्त गौशाला का निर्माण कराया जाये। जिसमें गांव के पशु–मावेशी इधर–उधर भम्रण करते है। उनको एक संरक्षण मिल सकें। वो एक स्थाई जगह में रहे। इस कार्य को करने की दया करें।

39. **श्री ठंडाराम सूर्यवंशी, ग्राम–हथनेवरा** :–1990 में भूमि पूजा होईस। तो नेमी कुमार गुप्ता और प्रकाश ऐसे 4–5 अधिकारी आईस। भूमि पूजा के टाईम ये वादा करीन कि हमन हथनेवरा, कोटाडबरी, चांपा को गोदनामा लेंगें कहिस। गोदनामा के मतलत हमन समझन ही नहीं काला गोदनामा कहथे। पानी, बिजली, स्कूल देही बोले। उसमें कुछ आदमी हम लोग दस्तख्त करें। अभी तक हथनेवरा में पीआईएल 4500 आदमी काम करत हे। 5000 आदमी मन मा 500 ही काम नहीं करत हन। मात्र 4500 आदमी पीआईएल में काम करत हे। डर मोला ये बात के हे, काम नहीं करत हन विरोध करत हन। डर ये है कि कुछ कर न दे प्लांट वाले। ये ही चीज के हमन ला पहले डर है। जांजगीर–चांपा जिले में हमन 10 आदमी पीआईएल में लगे थे। बहुत कुछ वादा करके परमानेंट लगाईस। थोडा से डस्ट के कारण विरोध कर पाये प्लांट का। तोर मोर गेट ला बंद कर दिस हे। मोर क्या कारण गेट बंद करीस हे कारण बताओं। मोर जीव मा बहुत डर हे। कभी भी मोला दबा सकत हे। जो विरोध करही वो बाचे नहीं। हथनेवरा ला गोद नामा ले हे। कहां लगे हे स्कूल बने हे, कौन घर के मीटर बने हे। 5 लीटर पानी के मदद करे हे। जेन सरपंच होईस वोला ठेकेदारी चाहिस। मोर लईका ला नौकरी देवा, ऐसने काम चलत आत हे। हमन विरोध करत हन तो गेट बंद हो जावत हे। क्या कारण हे गेट बंद करे के। मोर साथी मन यूनियन के अध्यक्ष है। संजय सिंह पहले फीटर रहीस हे। आज ओखर 18 ठीक हाईवा चलत हे। हमन 1000 रूपया तनखा मा रहेन। आज ओखर 70,000 हजार, 80,000 हजार लाखों के तनखा है। यहां वर्कर के कमी नहीं है स्टाप के कमी है ज्यादा। प्लांट बस गये हे उन्नती है। कमात है तो उन्नती है। प्लांट रूक जाये आगे नहीं बढे।

40. **श्री रामचरण पटेल, ग्राम–कोटाडबरी, चांपा** :– जबसे प्रकाश इण्ड. स्थपित हुई है। हमारे गांव में हर प्रकार सहयोग प्लांट से मिल रहा है। शादी विवाह के असवर पर हो, छट्ठी, मरनी में दाह संस्कार के लिए लकडी का व्यवस्था किया जाता है। स्वास्थ का भी व्यवस्था किया जाता है, जितने हमारे गांव में पढे लिखे लडके है सबको रोजगार का अवसर मिल रहा है और आगे मैं प्रकाश प्रबंधन से अपेक्षा रखता हूॅ जितने भी योग्य बेरोजगार लडके है उनको उनके शिक्षा के अनुसार रोजगार मिलना चाहिए।

41. **श्री संतराम सूयवंशी, घटोली चौक** :– मैं प्रकाश इण्ड. के जन सुनवाई का सख्त विरोध करत हव। आज हमारे घटोली चौक में जाकर देखो। वहां 09 आदमी ला

रोजगार मिले है। जबकि वहां 100 आदमी शिक्षित है। कम से कम 60 आदमी को रोजगार लगाकर दिखाये। सब लो यहां बाहर से ला–ला कर पूरा कॉलोनी बसा दिये गये हे। यहां नाम भी दिये है बिहारी कॉलोनी, यहां है बिहारी कॉलोनी अलग से वार्ड भी बना दिया गया है। घटोली चौक ला गोदनामा लेकर सैतेला व्यवहार करा जा रहा है। ऐखर मैं सख्त विरोध करत हव। ऐसे प्लांट कभी भी आगे मत बढाये। ऐला रोक लगाना चाहत हव, ऐखर मैं कभी समर्थन नहीं कर सकव।

42. **श्री दूजराम सूर्यवंशी,** घटोली चौक चांपा :–हमर गांव के अंदर में 2 कि.मी. मा स्कूल हे। हमर गांव में जाकर देख लेवय, यहां इतना राखड हे कि कितना फायदा मिलत हे। स्कूल में जितना लईका पढत–लिखत हे उमनला केवल राखड के फायदा मिलत हे। घटोली चौक में कोई चीज के फायदा नहीं मिलत हे। एक ही चीज के फायदा मिलत हे राखड़। राखड खाये जाओ। यहां रोजगार है। यहां रिश्तेदारी है वो ही ला रोजगार मिलत हे। पीआईएल ला घोषित कर देना चाहिए रिश्तेदारी पीआईएल। वोही ला मिलही रोजगार और कोई ला नहीं मिलही।

43. **श्री कोटाडबरी** :– हमारे गांव कोटाडबरी में पीआईएल का एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। जो रोजगार से लेकर धार्मिक, शिक्षा विकास, समाजिक भवन, निर्माण समाजिक के रूप में एक टेपनल सुविधा कार्य किये है। जो गांव में विशेष प्रकार के, गांव के प्रयोग कार्य में पीआईएल महत्वपूर्ण सहयोग रहता है। हमारे गांव में कार्यक्रम में शामिल होकर सुंदरता करते है। गांव में किसी तत्काल एम्बुलेंस गाडी प्रदान किया जाता है तथा कन्या शाला विद्यालय के पढने के लिए निशुल्क रूप में बस सेवा दिया गया है। पीआईएल हमारी युवा लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध कराये। ग्रामीण को विकास में सहयोग प्रदान करें।

44. **श्री शिव कुमार सूर्यवंशी, ग्राम–बनारी** :– मोला खुशी होवत हे प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड विस्तार करत हे। कम से कम मोर गांव से 20 झन काम करने आथे। 20 झन के चुल्हा जलत हे इसलिए मैं समर्थन करत हव।

45. **श्री संदीप रात्रे, घटोली चौंक** :–मेरे यहां पर इतना धूल है कि तलाब में काला काला हो जाता है उसी में नहाना पढता है। स्वास्थ सुविधा नहीं है। स्कूल का जर्जर हालत है। 8 साल से बाहर में जॉब करता हूॅ। मुझे आज तक के यहां जॉब नहीं मिला है। जब भी जाते है तो आप चांपा के हो तो आपको नौकरी नहीं

दिया जायेगा। पहले से भगा दिया जाता है नौकरी में नहीं रखा जाता है। पानी की सुविधा नहीं है। धूल डस्ट उडता है घटौली चौक में कोई व्यवस्था नहीं है। पानी पीने को नहीं मिल रहा है एक हैण्डपंप है। काहे का गोद नामा है। इसमें मैं समर्थन नहीं देता हूॅ। गांव के 100 लोग शिक्षित है 60 लोग को शिक्षित लोग को नौकरी दे सकते है। बॉहर से ऑफर मिल रहा है लेकिन गांव के पास में प्लांट लगा हुआ है लेकिन जॉब नहीं मिल रहा है। इसको एक्स्टेंशन नहीं देना चाहिए।

46. **श्री मोहम्मद इब्राहित मेमन, चांपा** :–इसका इस विस्तारीकरण का मैं समर्थन करता हूॅ। जिसको नौकरी नहीं मिला है वही विरोध कर रहा है। आप लोगों के साथ लाखों लोगों की दुवाये है। आप लोग विचलित न हो यहां भगवान भी खुश नहीं कर पाता है तो आप लोग क्या खुश कर पायेंगे। जांजगीर–चांपा जिले को प्रकाश इण्डस्ट्रीज के नाम से जाना जाता है और मैं उम्मीद करता हूॅ कि विस्तार होगा। उसमें 2000 लोगों का भरण–पोषण होगा। रोजी रोजगार में तलाश करेंगे। भरण–पोषण करके अपने मॉ–बाप का और अपने भाई–बहन जीवन को पार्जन करेंगे। मैं मांग करता हूॅ कि 10 लोगों का शिक्षित बेरोजगार का आईटीआई का कारखाना खोल और 10 साल में 10 लोगों को क्षेत्रीय लोगों को रोजगार दे, इसमें यहीं काम करें। आप लोगों के अंडर में। देख–रेख में आगे बढे ताकि रोजी रोजगार का करके आगे बढ सकें। इसमें ट्रामा सेंटर की मांग करता हूॅ। जिससे इस क्षेत्र में ट्रामा सेंटर से होनी वाली असुविधा नहीं है। उसके लिए असुविधा होती है। तो निश्चित रूप से दूर हो जायेगी। क्योंकि एक्सीडेंट होता रहाता है पूरे क्षेत्र में। वो लोग बिलासपुर–रायपुर न जाकर यहां आये इलाज करने। ऐसी मांग करता हूॅ। मैं दिल से आप लोगों को शुभ कामना देता हूॅ। कि आप लोग विचलित न हो। बिहार, यूपी, कर्नाटक से होंगे। वो भी भारत के लोग है। हम लोग छत्तीसगढ. के लोगों का समर्थन करते है। जांजगीर–चांपा छत्तीसगढ़ के लोगों को नौकरी दे।

47. **श्री सोनू पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– पीआईएल नये प्रोजेक्ट को जरूर लाना चाहिए। क्योंकि नया प्रोजेक्ट के आने से ही गांव के लोगों को, बेराजगारो को रोजगार मिले। हमारे गांव के जो लोग है पढे–लिखे ग्रेजवेट, पोस्ट ग्रेजवेट लोगों को रोजगार मिलेगा।

48. **श्री कृष्णा टंडन, ग्राम–हथनेवरा** :– प्लांट का विस्तार का मैं पुरजोर विरोध करता हूॅ और यही से विस्तार को रोक दिया जाये। क्योंकि फैक्ट्री के पिछे में प्रकाश का इतना बडा गंदा नाला बना है उस नाला से पूरा फैक्ट्री का पानी निकलता है और बाहर जितने भी निवासरत है वो उसी में नहाते हे और मावेशी है वहीं का पानी पीते है और बाद में उनका देहांत हो जाता है। प्रकाश के आने से विस्तार हुआ है। प्रकाश के ठेकेदारो का विस्तार हुआ है। उसका विस्तार नहीं चाहिए। प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड क्षेत्र के जितने भी ग्राम पंचायत है कि कितना क्षेत्र में विकास हुआ है। रोजगार की बात करे कम से कम हथनेवरा में 1200–1500 लोग बेरोजगार है जो सब पढे–लिखे है। आज प्रकाश इण्डस्ट्रीज कोसमंदा में जमीन खरीदी। उनका जमीन को फर्जी रजिस्ट्री करा लिया गया। इतना बढा गरीब के साथ छलावा कर रहे हैं इसका विरोध होना चाहिए। हम सभी युवा इसका विरोध करते है।

49. **श्री बी.पी. राठौर, ग्राम–कोसमंदा** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज द्वारा कौन सी जनता के हित में काम हुआ है। मैं विगत 03 साल तक पीआईएल में काम किया। सारा जमीन खरीदा। आज पीआईएल के जाने से प्रवेश नहीं मिलता है। गेट पास नहीं बन पाती हमारी। मेरे गांव कोसमंदा का विस्तारीकरण जाकर देखे राखड पूरा विस्तारित तालाब मे जाकर गिरती है। विकास हो मैं ये नहीं कहता कि विकास न हो। विस्तार हो ये नही कहता कि विस्तार हो। मैं ये भी नहीं कहता कि छत्तीसगढ के लोगो को रोजगार दो। छत्तीसगढ के लोगों को केवल लेबर का काम मिलेगा। कंपनी में काम नहीं मिलेगा। विस्तार हो, विकास हो, सबका विकास हो। लेकिन जनहित में काम हो। ये हमारा उद्देश्य है।

50. **श्री गिरीश प्रधान, ग्राम–बिरगहनी** :–मैं इस विस्तार का समर्थन करता हूॅ।

51. **श्री रंजन कुमार, चांपा** :– पीआईएल प्रकाश इण्डस्ट्रीज द्वारा चौथा राखड बिछाया जाता है। मेरे 50 एकड़ कृषि भूमि में बिना अनुमति के राखड बिछाया गया है। उस कृषि भूमि बारिश के मौसम में पानी पसीझता है। कई एकड में डाला है आज कृषि भूमि प्रदूषित हो गया है। ऐसी मैं पीआईएल का घोर विरोध करता हूॅ। पीआईएल द्वारा आप लोगों का शोषण किया जाता है। घटोली चौक से हथनेवरा तक एक भी सडक पक्की नहीं है। कोई मॉ–बाप, भाई–बहन, मजदूर हेल्मेंट लगाकर आता जाता है। वही चीज का डर रहता है कि मेरा की एक्सीडेंट न हो जाये। पीआईएल को बोलना चाहता हूॅ कि कम से कम एक

सडक में बत्ती तक लगा दो। ये तो इंसान तो इंसान भगवान तक को नहीं छोड़ा है। कितनी प्रदूषण हो रही है हमारा शंकर भगवान प्रदूषित हो रही है। आप कितना ही विरोध कर लो कारखाना तो बनेगा ही। मैं 15 वर्षो से पार्षद हूॅ। पीआईएल के विकास से मेरे को कोई इंटरेस्ट नहीं है। विकास करो अच्छी बात है। आसपास के जनता को रोजगार मिलना चाहिए। जो मजदूर लगभग 10 वर्ष से काम कर रहे है उसे कंपनी का स्थाई मजदूर नियुक्त करना चाहिए। हसदेव पूरा दूषित हो चुका है पीआईएल के द्वारा। पीआईएल द्वारा करोना काल के समय में एक बूंद पानी नहीं दिया गया है। घोघरा नाला में पानी की बहुत किल्लत है। आवेदन दे सकत हन।

52. **श्री सहसराम, ग्राम–सारागांव** :– कोई भी चीज के विस्तार होना चाहिए, आगे बढना चाहिए। सब जगह से काम करे आवत हे। मोर गांव के लईका मन भी यहां काम करत हे। ओमन ला रोजगार मिलत हवय। एक आनार और 100 बीमार सबला–सबला को नौकरी नहीं मिल पाथे। ये सारागांव बडे गांव हे। बडे भाई हे। सारागांव मा स्पंज आयरन बनत रहीस हे। आज से 30–32 साल पहली। मोर गांव मा बढिया जगह हवय आप मन ला बढिया जगह दिला थव। हथनेवारा मा बन गये आप मन जगह दिये है आप मन के भाई मन जगह दिये है। घटोली से बिर्रा तक दोनां तरफ पौधारोपण किये गये हे। हमर सारागांव में 5 एकड़ जमीन दिये हे जेमा पीआईएल द्वारा पौधारोपण करे हे। गाडी घोडा चलत हे स्पंज आरयन के ज्यादा चलत हवय। एक्सीडेंट हो जावत हे लेकिन ओला बराबर मुआवजा देवत हे। बाराद्वार में हुईस। स्पंज आयरन एक लाख व 1.50 लाख देवत हे। एम्बुलेंस होना चाहिए। कोई गरीब आदमी खत्म हो गये तो ओला उठा के ले के आ जाये। ये क्षेत्र की जनता दुखीमन ला सिम्स लेजाना है या अपोलो हॉस्पिटल ले जाना है ऐखर सुविधा बर लाभ मिलना चाहिए। ऐखर बर मैं सुझाव देना चाहत हव। ऐखर विस्तार के पूर्ण समर्थन करना चाहत हव।

53. **श्री संतोष आनंद, ग्राम–कोटाडबरी** :–आसपास के बेरोजगार मन ला रोजगार मिलना चाहिए। मिलत आवत हे। क्षेत्रीय बेरोजगार ला विशेष रूप से जहां प्रभावित है। विशेष रूप से ध्यान रखते हुए रोजगार दिया जाना चाहिए। मैं आज के विस्तार के कार्यक्रम ला समर्थन करत हव। लगभग 2000–3000 रोजगार विस्तार से मिलही। ओखर मन से हमार गांव मा व आसपास के गांव मा रोजगार मिलही। वोखर मन से मैं समर्थन करत हव। साथ ही साथ हमर कोटाडबरी मा

नाली निर्माण, मुक्ति धाम निर्माण अन्य बहुत सारा काम करत आ थे। एम्बुलेंस की व्यवस्था करथे, लड़की की शादी मा लगभग 5000 रूपये सहायता करथे।

54. **श्री द्वास प्रसाद सूर्यवंशी, घटोली चौक चांपा** :—मैं इस प्रोजेक्ट के विस्तार के लिए पीआईएल का समर्थन करता हूॅ। इसलिए समर्थन करता हूॅ। वर्तमान में हमारे गांव से 10—12 आदमी पीआईएल में काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के बढने से हमे आशा है कि घटोली चौक से 20 प्रतिशत भर्ती करेंगे।

55. **श्री संतोष कुमार कुर्रे, ग्राम—कोटाडबरी** :—पहले गांव के आसपास जितने भी लोग रोजी मजदूरी के लिए बाहर जाते थे। पीआईएल आया है ये लगभग सब बंद हो चुका है। सब पीआईएल का देन है। भाई हम चाहे तो फैमली के लिए चला सकते है। अच्छे शिक्षित दे सकते है। हमें दोषी नहीं देना चाहिए। हमें एक होकर पीआईएल का समर्थन देना होगा। पीआईएल से निवेदन है कि ज्यादा—से ज्यादा क्षेत्रीय लोगों को ध्यान देना चाहिए।

56. **श्री राधे श्याम सूर्यवंशी, ग्राम—कोसमंदा** :—प्रकाश स्पंज आयरन के डायरेक्टर साहब से ये कहना चाहूंगा समर्थन का धन्यवाद दूंगा। उनकी समस्या का समाधान के निदान के लिए सोचना चाहिए। प्रकाश स्पंज आयरन 1993 में मैं साईकिल में पढने आता था। ये गांव शुरू हुआ। लगभग 30 साल हो गया प्रकाश स्पंज आयरन का काम शुरू हुये। हथनेवरा, कोसमंदा, चांपा, कोटाडबरी इतने के ही बात रखे है। लेकिन प्रकाश स्पंज आयरन लाभ मिल हथनेवरा, कोटाडबरी, कोसमंदा, चांपा तक नहीं यहां पर पामगढ के कर्मचारी आते है काम पर यहां। प्रकाश स्पंज आयरन में जो काम करने आते है। यहां के लोगों को लाभ मिल रहा है और सभी जगह के लोगों को रोजगार मिलता है। मैं चाहता हूं कि प्रकाश स्पंज आयरन का विस्तार हो सभी हमारी समस्या के योजना का समाधान करें। आने वाले समय में जांजगीर—चांपा जिले में प्रकाश स्पंज व अन्य गांव में क्षेत्र में विस्तार करके। विकास करें। उसका मैं समर्थन करता हूॅ।

57. **श्री देवेश कुमार वैश्य, ग्राम—हथनेवरा** :— पीआईएल में पॉल्युशन बढ रहा है। पर्यावरण में भी इसका मानक स्तर होता है। पिछले 30 साल से पीआईएल उस मानक पर खरा उतर रहा है। तब जाके पीआईएल आगे बढ रहा है। हम चाहते है प्रोजेक्ट आगे बढे।

58. **श्री मुकुंद सिंह वैश्य, चांपा** :– प्रकाश स्पंज आयरन हथनेवरा में अव्यवस्थित है। तो हम हथनेवारावासी इस चीज को अच्छी तरह से जानते है। कहां हमें चलने पर कदम बढा रहा है। हमारे मत अभिमत पक्ष विपक्ष हो सकते है। लेकिन इस बात को नहीं झूठला सकते है। इस जीवन स्तर में प्लांट आने के बाद कैसा सुधार हुआ है इस जिले की प्रकाश स्पंज आयरन इकानॉमिक रीड की हड्डी है। मेरा अपना स्वयं का अभिमत है। ये जो विस्तार ये प्लांट कर रही है। मेरा ऐसा मानना है कि आने वाले दिनों में भी जैसा रोजगार हमारे ग्रामवासी पाये है आने वाले दिनों में भी वैसा रोजगार पाते रहेंगे और उन ग्रामवासीयों की भी आशाये है। अगर बेरोजगार युवा है। उसको स्थानीय स्तर पर ही उसको अच्छी नौकरी मिल जाती है। अपनी योग्यता अनुसार तो वो क्यो बाहर जायेगा। हमारे भाई को जो योग्य है सही मार्ग दर्शन न मिला हो। मेरा ऐसा शुरूवात से ही इस प्लांट के न्यू पडने से ही हम हमारे ग्रामवासी और हमारा परिवार शुरू से रहे है। तो ऐसी विपत्तियां न बने। उनकी कुछ काम अगर रूका है धीरे से काम सॉल हो, भी बात सुनी जाये। हमारे ग्रामवासियों के तरफ से और अपना जो जायज मांगे है वो भी पूरी करें। प्रबंधन से अनुरोध करता हूॅ। हमारा दोनों हार्थो से इस विस्तार को लेकर समर्थन है।

59. **श्री अभिषेक कुर्रे, ग्राम–कोटाडबरी** :– पीआईएल के आने से आसपास के क्षेत्रों को चाहे कोटाडबरी हो, चाहे हथनेवारा हो, चाहे घटोली हो, चाहे कोसमंदा हो यहां आसपास के क्षेत्रों के जितने भी है उन सबको रोजगार मिला है। मैं कमजोर फैमली से आता हे। मेरे पिताजी पढाने में असमर्थ है। हमने रिक्वेस्ट किया पीआईएल से तो उन्होने मेरे फैमली के पढाई के लिए अनुदान दिये। सहयोग दिये उसी से चलकर मैं मैकेनिकल इंजीनियर का पढाई किया। उसके बाद मैं रायपुर में मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। मेरे पिताजी के देहांत होने के बाद मैने पीआईएल से रिकवेस्ट किया। मैं आज मैकनिकल इंजीनियर में प्रकाश इण्ड. में कार्यरत हूॅ। प्रकाश इण्डस्ट्रीज और आगे बढे। रोजगार मिलना इतना मुश्किल है। किसी की भी इच्छाओं को धीरे–धीरे पूर्ण किया जा सकता है। एकबार में तो नहीं किया जा सकता। पीआईएल आगे बढे और आगे जाये। आसपास के जितने भी गांव है सबका विकास हो। गांव में जब कि किसी का शादी होता है तो सहयोग मिलता है, और अनेक प्रकार की सुविधा दी जाती है। प्रकाश परिवार को समर्थन करता हूॅ और आगे बढते जाये यही मेरी शुभ कामनाऐ है।

60. **श्री बाबूलाल जायसवाल, ग्राम–सोंठी** :– आज तक हमें एवं हमारे परिवार से पीआईएल से फायदा नहीं लिया है। व्यक्तिगत काम के लिए फोन किये है न कि फायदा लिये है। हमारे गांव के बेरोजगार लडके बेकार धूमते है जो मजदूरी करने आते है। विस्तार होगा प्लांट का तो आसपास के गांव के लोगों को रोजगार मिलेगी और इसका विस्तार होना चाहिए। जहां प्लांट लगेगा वहां थोडा बहुत प्रदूषण तो होगा ही। प्लांट का विस्तार होना चाहिए। आसपास के लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। मैं भी लोकल लोगों प्रभावित गांव के आसपास के 10 कि.मी. के लोगों को स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार दिया जाये। ये मेरा मांग है। विस्तार समर्थन में अपना पक्ष रख रहा हूॅ।

61. **श्री हेमंत राठौर, ग्राम–कोसमंदा** :– पीआईएल के द्वारा विस्तार किया जा रहा है इसके सख्त खिलाफ हूॅ। जब से पीआईएल अस्तित्व में आया है ग्राम पंचायत कोसमंदा प्रदूषित हो गया है। राखड़ पूरा तालाब पानी के ऊपर लगा रहता है। हम लोग का नहाना धोना सबका पूरा बंद हो गया। इस तरह का विस्तर प्रगति हमको नहीं चाहिए। मैं तो इसके सख्त खिलाफ में हूॅ। और इसका विरोध करता हूॅ।

62. **श्री कमल टंडन, ग्राम–हथनेवरा** :– कोयला डस्ट उडते रहते, 11 बजे पीआईएल से पानी छोडे जाथे। 3 फीट के कोयला नरवा मा पटाया हैं उसको रोके बंद तो नहीं हो सकय। रोके के कोशिश करा। एक झन के कहे में तो रूकने वाला नहीं है। गरवा वोई पानी ला पीवत हे, बीमार पढत हे। कोयला के कारण है। पीआईएल से अनुरोध है रोके के क्षमता बनावय। ओखर विस्तार होवय समर्थन तो हवय ही। प्रदूषण के रोके के कोशिश करें।

63. **श्री परदेशी कुर्रे, ग्राम–चांपा** :– मैं प्लांट खुलने का समर्थन करत हव। प्लांट बढिया खुले, विकास होवये।

64. **श्री मुकेश, ग्राम–कोटाडबरी** :– हमर यहां जितना कन सुविधा पीआईएल दिये हे उतना कन कहू नहीं दिये हे। पीआईएल के समर्थन करत हव।

65. **श्री लक्की दिवाकर, ग्राम–चरणनगर** :– चरणनगर मा बहुत ज्यादा बेरोजगार है। जेला रोजगार मिलय। आउ सब झन पीआईएल में रोजगार जॉब सब काम करे। चरणनगर मा लगभग 6000 के संख्या है। पीआईएल आगे बढे। बडे बडे भाई ला रोजगार देवय। अनुभव के हिसाब से काम देवय। पीआईएल सबसे बेस्ट हे।

खाना, पानी, लकडी, बिजली, सब देवत हे। सब सुविधा हे। हमर गांव के आदमी बाहर काम मा मत जाये।

66. **श्री जगदीश पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– आज का कार्यक्रम का समर्थन करता हूॅ।

67. **श्री अशोक कुमार पटेल,ग्राम–चांपा** :–प्लांट को अच्छा से आगे बढाये, मेरा सहयोग है। ।

68. **श्री लक्ष्मी पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :–प्लांट का हम लोग के तरफ से पूरा समर्थन है। हर कार्य में पीआईएल से गांव का सहयोग मिलता है। शादी में सहयोग, धार्मिक कार्य में सहयोग, समाजिक कार्य में सहयोग मिलता है। नया प्रोजेक्ट में हर परिवार का उन्नति होगा।

69. **श्री विष्णु प्रसाद केवट, ग्राम–हथनेवरा** :–रोजगार मिल रहा है ये बात सत्य बात है। लेकिन योग्यता होते हुये भी हमारे गांव के लोगों को रोजगार नहीं मिला है। फिर भी कई बार पीआईएल में प्रयास किया। कि मुझे अच्छा सा जॉब मिल जाये। ऐसे बहुत से लोगों की बात है। सब प्रयास करते है। बेरोजगार शिक्षित है योग्यता के अनुसार रोजगार मिलना चाहिए। हमारे गांव में जितने सारे पेड थे सब पेड मर गये। हमारा गांव का वातावरण खराब रहेगा। मैं चाहता हूॅ कि पीआईएल द्वारा हमारे गांव में वृक्षारोपण कराये। ऐसी स्थिति न हो। विशेष रूप से पर्यावरण को बचाने के लिए पीआईएल प्रत्येक वर्ष वृक्षारोपण कराये। वहां पर हराभरा हो, गांव में खुशहाली आये। पीआईएल जब से आया है तब से 10 वीं तक स्कूल है। हमारे गावं में 12 वी तक स्कूल नहीं है। इतना बडा गांव होते हुए भी 12 वीं तक स्कूल होना चाहिए। विस्तार होना चाहिए विस्तार होने से रोजगार मिलता है। गांव का विस्तार हो। गांव में स्वच्छता रहे, जिनके पास योग्यता है योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जाना चाहिए। हमारा कोई सपोट नहीं है। सबको रोजगार मिलना चाहिए। पीआईएल का समर्थन होना चाहिए। मैं इनका समर्थन करता हूॅ।

70. **श्री चंद्रकुमार राठौर, जांजगीर** :–मैं इस विस्तार का समर्थन करता हूॅ। इसलिए करता हूॅ जब भी कोई कंपनी लगती है तो उस क्षेत्र का विकास होता है। क्षेत्र के निवासियों को रोजगार मिलता है। इस प्रोजेक्ट का समर्थन करता हूॅ।

71. **श्री माधव प्रसाद पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– पीआईएल के विस्तार के लिए मैं समर्थन करता हूॅ।

72. **श्री जय कुमार केवट, ग्राम–हथनेवरा** :– गोदनामा लेवे हव पीआईएल हा। हमन राखड खाये क्यो बिहारी आये हे काजू किश्मीश खाये। हमला काम मिलना चाहिए। जितका दिन गंदगी जात हे नदी मा पानी, ये बंद होना चाहिए। कतका कन गरवा एसीट पीकर मर गये हे। तालाब मा झेल–झेल के नाहातव डस्ट ला। ये सब चीज नहीं होना चाहिए।

73. **श्रीमती सुनिता, ग्राम–कोटाडबरी** :– हमला सिन्टेक्स दिये हे पानी नहीं चघय। 2 पोस्ट हवय केमिस्ट मा। मोर बेटा के कागज ला फाड दिये हे। ऐसा नहीं करना चाहिए।

74. **श्री लक्ष्मण खुंटे, ग्राम–चरणनगर** :–मैं ये चाहने वाला हव हमर घर 10 कदम दूर पीआईएल हवय। सभी लडका मन ला नौकरी मिलना चाहिए। तालाब के पानी इतका बदबू देथे। वहां कोई सीमा नहीं है। वहां मछली मरत हे। मैं निराश हवव। ये हमर पीआईएल के प्रोजेक्ट हवय तो ये आगे बढे। बाहर के आदमी आये हे बिहारी मन ओला नौकरी मिलत हे। वो मन ला काम मिलत हवय। हमन ला ये बात से बिल्कुल समर्थन नहीं करत हव। हमर युवा बेच के लडका ला नौकरी मिलना चाहिए।

75. **श्री शशि कुमार पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– मैं डिप्लोमा होल्डर हूॅ विगत 2 वर्षा से घूम रहा हूॅ। प्लांट का विस्तार हो ये सहमत पूरे ग्राम के द्वारा दिया जायेगा। युवाओ लोग दे भी रहे है। विस्तार हो और युआवों को रोजगार मिले।

76. **श्री गणपत शर्मा** :– मैं बात करूंगा, पर्यावरण रोजगार शिक्षा स्वास्थ्य प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड 2013 में आईटीआई होल्डर हूॅ। 2013 से 2023 तक मैं 10 साल से बेराजगार हूॅ। अपरेन्टीश करने के बाद यहां मेरे को रोजगार नहीं मिला। बोलते है इस क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलता है। 10 प्रतिशत ही सही है। यहां अधिकतर ठेकेदार बाहरी क्षेत्र के है। बाहरी ज्यादा है लोकल कम है। 12 घंटे की नौकरी दिया जाता है। मजदूरी भी बहुत कम है। पर्यावरण की बात करूंगा तो इतना प्रदूषण इस प्लांट से हो रहा है। जिसकी संभावना आंकलन नहीं कर सकते। आसपास के क्षेत्र में जाकर देखिये कि प्रदूषण कितना है। प्लांट का केमिकल युक्त पानी नदी में जाकर मिल रहा है। इसकी शिकायत पर्यावरण

मंत्रालय भारत सरकार को किया गया है। जिसका रिजल्ट शून्य आया, पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है। पास का गांव है कुरदा आज भी जाकर देखिये गांव में पानी बह रहा है। इतना बडा प्लांट है सहयोग कर सकते है नाली बनाने में। ग्राम पंचायत को वहां से किसी भी प्रकार से सहयोग नहीं मिलता है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में हाई स्कूल नहीं है। लेकिन प्रकाश इण्डस्ट्रीज द्वारा शिक्षा को बढावा देना चाहिए। चांपा में एक इंटर नेशनल स्कूल नहीं है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज को स्वयं का हॉस्पिटल बनाना चाहिए। बिरगहनी में हाईस्कूल है। लछनपुर, हथनेवरा में विकास की गंगा बह रही है। मैं ये कहना चाहिए सबसे ज्यादा प्रदूषण चांपा से घटोली चौक से राखड का गुब्बारा उडता है। प्लांट का विस्तार होना चाहिए। जल एवं वायु वातावरण में धूल मिल चुका है इसको रोकिये, उसके बाद ही परमीशन देंगे।

77. **श्री संजय सिंह वैश्य** :– छत्तीसगढ में प्रकाश इण्डस्ट्रीज उद्योग जांजगीर–चांपा जिले में एक ऐसा उद्योग है। जो यहां का राखड निकलता है जो लगभग 30–40 फायर ब्रिक्स का प्लांट है उसे निशुल्क डायरेक्ट प्लांट में राखड प्रदान करती है। इस पूरे जिले में राखड से जो ईट बनती है। उसके लिए हर प्लांट में 25–30 मजदूर काम करते है। 30–40 उद्योगों का प्लांट ईट बनाने के लिए राखड देती है। ये अच्छा कार्य है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज का योगदान है।

78. **श्री बाबूलाल लहरे, ग्राम–कोटाडबरी** :– मैं 17 साल के उम्र मा पीआईएल मा काम चालू करे हव। आज भी खडे हव आने वाला कल में भी खडे हव।

79. **श्री सुभाष पटले, ग्राम–हथनेवरा** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज के विस्तार में है प्रकाश इण्डस्ट्रीज के विस्तार से आसपास के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा।

80. **श्री घनश्याम सिंह, ग्राम–हथनेवरा** :–प्लांट के विस्तार का समर्थन करता हूॅं। पीआईएल से हम सबको बहुत ही फायदा हुआ है। सबको बराबर यहां पर रोजगार मिलेगा। प्लांट का विस्तार के लिए पूरा समर्थन करता हूॅं।

81. **श्री धीरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी** :– प्लांट के तरफ से हम लोग को कोई सपोट नहीं मिला है। हमें जल्द से जल्द रोजगार दिया जाये।

82. **मंजूलता पटेल, ग्राम–कोटाडबरी चांपा** :– मेरे पिताजी जबसे प्लांट खुला है तबसे यही कार्यरत है। लगभग 20 साल काम करने के बाद 2021 से उनकी

मृत्यु हो गई इसके बाद बार–बार हम लोग अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्लांट गये है। मेरे पिताजी का पीएफ एवं अनुकंपा नियुक्ति कराये। प्लांट के विस्तार के लिए हमेशा सहमती देते थे। आज भी सहयोग करेंगे, कल भी सहयोग करेंगे, हमेशा सहयोग करेंगे। कृपा करके पीआईएल कृपा दृष्टि बनाये रखे।

83. **श्री चंद्रमणी सिंह वैश्य, ग्राम–हथनेवारा** :– पीआईएल से निवेदन है कि जमीन ला निशुल्क प्लांट ला देने के लिए तैयार हूॅ। अभी तक जांजगीर–चांपा जिले में श्मशान नहीं बने हे। श्मशान बनाया जाये ताकि आसपास वाले मन देखे कि हथनेवरा में बहुत सुंदर निर्माण से श्मशान घाट बने हे। मुक्ति धाम बने। मैं मुक्तिधाम के मांग करत हव साहब।

84. **नामा0** :– मैं पीआईएल के विस्तार के लिए समर्थन करता हूॅ। विस्तार से बहुत लोगों को लाभ मिलता है। जैसे कि मेरे भाई ईट भट्टे में फ्लाई ऐश का उपयोग करता है, फ्री में पहुंचा के देता है। ऐसी हर प्रकार के लोगों को फायदा होता है। विस्तार से कई प्रकार से फायदा मिलता है। यहां पर लोकल लोगों को भी रोजगार मिलना चाहिए। उको कंपनी में काम मिलना चाहिए।

85. **श्री घर्मपाल राठौर, ग्राम–अफरीद** :– जबसे पीआईएल इण्डस्ट्रीज शुरू हुई है। आसपास के गांव के लोगों का जीवन स्तर उपर उठा है। इस क्षेत्र के विकास में काफी मदद मिला है। इससे छोटे–छोटे उद्योग बहुत ही आसपास में लगे हुये है। जिनसे गांव के लोगों को रोजगार मिल रहा है। ऐसा मानन है। पीआईएल प्रबंधन को चाहिए कि क्षेत्रीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देकर क्षेत्र के लोगों के युवा स्तर उपर उठाना चाहिए। गांव के विकास कार्य में सहयोग करें। ऐसा मेरा सुझाव है। आशा करता हूॅ पीआईएल प्रबंधन के द्वारा आसपास के लोगों को जितनी आवश्यकता है फ्लाई ऐश अन्य मटेरियल सप्लाई कर रहे है।

86. **श्री चंद्रिका पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– अभी तक 90 के दशक में प्लांट बैठा हुआ है। काफी विस्तार हुआ है। आसपास के गांव में सभी को रोजगार मिला है। फ्लाई ऐश भी पहुंचा के दिया जाता है। व्यापार के भी क्षेत्र में प्लांट भी चलती है तो रोजगार चलता है। आसपास के सभी व्यापारी उसमें खुश रहते है। प्लांट आगे प्रोगेस करे उसमें हम सहमत है।

87. **श्री** :– प्रकाश स्पंज आयरन में जन सुनवाई के समर्थन करने के साथ–साथ मैं आशा भी करता हूॅ। जो भी अपने आसपास के क्षेत्र है। इस जनसुनवाई के माध्यम से आगामी कारखाना स्थापित होने वाला है। उस कारखाने में मापदण्ड

का ध्यान रखना चाहिए। हमारे जितने भी लाभंवित गांव है, उनको उनके अधिकार का सम्मान पूरा–पूरा मिलना चाहिए। स्थानीय बेरोजगारो लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। रहा विकास का बात तो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास।

88. **श्री सुनिल दास महंत, ग्राम–हथनेवारा** :– मैं आईटीआई एव ंबी.ए.फाईनल किया हॅू। मेरे योग्यता अनुसार काम मिलना चाहिए, प्लांट में। योग्यता अनुसार काम देने की कृपा करें।

89. **श्री रमाशंकर शर्मा, ग्राम–हथनेवरा** :– अभी तक वहां लाईट की व्यवस्था नहीं है पीआईएल से काफी दिनों से मांग कर रहे है। खाली आश्वासन दे रहे है। पीआईएल कंपनी से आग्रह करता हॅू कि जल्द से जल्द लाईट देने की कृपा करें। पीआईएल कंपनी से सहयोग करते है और सहयोग भी चाहते है।

90. **श्री तूफान सिंह चंदेल, ग्राम–हथनेवरा** :– पीआईएल का पूर्ण रूप से समर्थन करता हॅू। बिहारी कॉलोनी के पीछे उनका दुकान है। उनका पानी और बिजली बंद कर दिया गया है। उनपका पानी बिजली का व्यवस्था कराये। हमारे गांव में पंचायत भवन नहीं है। 10 वी का क्लाश लगता है 10 वीं का भवन नहीं है। उप स्वास्थ्य केन्द्र भी नहीं है। हाईस्कूल के लिए विशेष रूप से ध्यान दे। गांव में जितनी जल्दी हो सुविधा उपलब्ध कराये। हमारे गांव में मुक्तिधाम होना चाहिए। बरसात से पहले बन जाये तो ज्यादा अच्छा है। मैं पीआईएल का पूर्ण रूप से समर्थन करता हॅू।

91. **श्री अमरजीत सलूजा, ग्राम–चांपा** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमि. 30–32 वर्षो से यहां पर स्थापित है। जब कोई प्लांट लगता है जब कोई उसका एक्स्टेंशन होता है। तो नये रोजगार, नये अवसर प्रदान किये जाते हे। निश्चित रूप से 2000–3000 यहां प्रत्यक्ष यहां से जुडेंगे और एक व्यक्ति के पीछे उसका परिवार होता है। कितने लोगों को बेराजगारी, जो हिन्दुस्तान में चल रहा है। हमको ऐसे समय में हमारे जांजगीर–चांपा जिले में बालपुर, सारागांव, कोटाडबरी, हथनेवारा, मुडपार, चोरियां, बिरगहनी, पीथमपुर, पिसौद, तमान गांव व छत्तीसगढ के अन्य जिले के यहां व्यक्ति काम कम रहे है। विभिन्न राज्यों के व्यक्ति काम कर रहे है। हमारे लिए गर्व की बात है। सारे जहां के लोग हमारे जांजगीर–चांपा में कार्यरत है। अपनी सेवाये दे रहे है। आज हमारे छत्तीसगढ में एजुकेशन को

निश्चित रूप से ये अवसर जरूर मिलेगा कि योग्यता के हिसाब से पोस्ट मिलेगी। प्रकाश इण्डस्ट्रीज हमारे जांजगीर–चांपा जिले के आज तक समाजिक, आर्थिक को निभाते है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज को पूर्ण रूप से 100 प्रतिशत समर्थन करते है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज बढेगा, तो हमारा जिला बढेगा, हमारा जिला बढेगा तो हम बढेंगे, हिन्दुस्तान बढेगा।

92. **श्री संतोष जब्बल, नगर पालिका परिषद चांपा** :– मैं जो प्रकाश इण्डस्ट्रीज की नई यूनिट लगने वाली है। उसको अपने तरफ से समर्थन देता हॅू। उनको धन्यवाद देता हॅू कि प्लांट लगने के बाद प्लांट को और आगे बढा रहे है।

93. **श्री रविसिंह चंदेल, ग्राम–हथनेवरा** :– अपनी अपनी रोजगार शिक्षा की बात किये है। आज की सुनवाई है पर्यावरण मंत्रालय का। हमारे हसदेव नदी जो यहां इतनी प्रदूषित हो चुकी है। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आपको लेटर भेजा गया था। ये खुशीर की बात है कि आज पीआईएल प्लांट का विस्तार हो रहा है। जिससे ग्रामों की विकास हो रही है। मैं पीआईएल के सभी अधिकारियों को बधाई देता हॅू पीआईएल सन 90 में खोले है आज उसका विस्तार कर रहे है। लोगों को रोजगार दे रहे है। रोजगार सब लोगों को एक बराबर नहीं मिलता है। कम किसी को ज्यादा ये हर जगह की बात है। पीआईएल रोजगार दे रहे है।

94. **कोटाडबरी नव युवक साथी संगठन** :– हम लोग पीआईएल में जाते है तो हमारे सारे कार्य होते है। नल बनाने, पचरी बनाना ये पास हो गया है। हम लोग को कंपनी के आगे बढने से बहुत फायदा है कोई आपत्ति नहीं है। हम सब चाहते है कि कंपनी आगे से आगे जाये। हमारे गांव के युवा लडके है जो पढाई कर रहे है। बेराजगार को ध्यान दिजीये। प्लांट आगे जाये।

95. **श्री सुमित कुमार पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– हम लोगों को पीआईएल से कोई प्रॉबलम नहीं है। वो हम लोगो के लिए बहुत है, पचरी का निर्माण किया था, हास्टल जर्जर हो गया है उसके लिए भी एपुवल दिये है। हमारे आसपास के ग्राम कोटाडबरी को गोदनामा लिये है। नल, पानी और किसी के यहां कोई खत्म हो जाता है लकडी पानी सभी चीज का व्यवस्था कराया जाता है। किसी के यहां शादी होने पर 5100 रूपया, हमारे कोटाडबरी, हथनेवरा को गोदनामा लिया गया है। वहां पर त्योहार पर धन राशि दिया जाता है। पीआईएल का उन्नति चाहते हे। पीआईएल ने कोटाडबरी का बहुत सहयोग किया है।

96. **श्री भूपेश कुमार पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– हथनेवारा के पढे लिखे नवयुवको को इसमें नौकरी में वरियता मिले। सभी रोजगार–रोजगर कह रहे है रोजगार कहां से पैदा हो। इसके लिए एक्सट्रेंशन हो। सभी लोगों को रोजगार मिल सकें और इसी से युवाओं को पलायन से रोका जा सकें।

97. **श्री श्रवण कुमार साहू, ग्राम–हथनेवरा** :– मैं प्रकाश इण्डस्ट्रीज आने से बहुत तरक्की हुआ है। प्रकाश इण्डस्ट्रीज का समर्थन करता हूॅ।

98. **श्री भरत लाल यादव, ग्राम–कोटाडबरी** :–मैं पीआईएल को समर्थन करता हूॅ।

99. **श्री गौकरण पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– मैं पीआईएल के नये प्रोजेक्ट को समर्थन करता हूॅ।

100. **श्री युवा किशोर सिंह, ग्राम–हथनेवरा** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज के आने से हमारे गांव में बहुत विकास हुआ है। हमारे गांव को बहुत सारे पीआईएल द्वारा आसपास के गांव के लोागों को विकास हुआ है सभी को रोजगार प्राप्त हुआ है। पर्यावरण के बारे में बोला जा रहा है। जितना बोला गया है उतना भी गंदा नहीं है। काफी साफ सुथरा है।

101. **श्री सियाराम केवट, ग्राम–हथनेवरा** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज का समर्थन करता हॅू।

102. **श्री लखन पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– पीआईएल का समर्थन करता हॅू।

103. **श्री राजेन्द्र पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– मैं पीआईएल का तहे दिल से समर्थन करता रहॅूगा। हमेशा खडा रहॅूगा पीआईएल के लिए।

104. **श्री श्याम लाल कुर्रे** :– प्रकाश इण्डस्ट्रीज का समर्थन करता हॅू।

105. **श्री मोहम्मद अशफाक कुरैशी, ग्राम–बाराद्वार** :–कोयला खाली होता है वही पर 100–150 घर लगा हुआ है। पूरा डस्ट आसपास एरिया में फैल जाता है। घर के अंदर तक डस्ट जाता है। हमने कई बार बोले कि पानी डालवाईगे, खाली होगा तो। पानी डलते रहेगा तो डस्ट नहीं उडेगा। आज तक के समस्या दूर नहीं हुआ। हम अगल–बगल जो भी है सब परेशान है। इसकी समस्या को समाधान कीजिए।

106. **नामा0** :– एक प्रोजेक्टर है दूसरा सेकेण्ड प्रोजेक्टर है। विस्तार पीआईएल का होना चाहिए। छत्तीसगढ़ जांजगीर–चांपा का विस्तार हुआ।

107. **श्री उमेंश कुमार टंडन, ग्राम–हथनेवरा** :–प्लांट विस्तार से मेरे को कोई आपत्ति नहीं है। आपत्ति है तो बेरोजकगारी से, मेरे समाज में 30–40 लोग बेरोजगार थे। उन्ही के बारे में जनसुनवाई में बोला कि बेरोजगार लोगों को रोजगार लगाईये। जो प्रदूषण आ रहा है हमारे गांव में जो गंदा पानी जा रहा है। इसको रोकथाम कीजिए। उस दिन से आज तक प्लांट में मेरा जॉब नहीं लगता है। मैं बाहर भी जाता हूँ तो मेरे को जॉब से निकाल दिया जाता है। मेरे उपर तीन बार जान लेवा हमला हो चुका हे। प्लांट विस्तार से मेरे को कोई आपत्ति नहीं है। मेरे गांव में जो भी है बेराजगार उनको रोजगार दिया जाये। योग्यता अनुसार लगाईये। नल,जल, स्वास्थ्य, शिक्षा का ध्यान दीजिए। प्लांट विस्तार में कोई आपत्ति नहीं है।

108. **श्री सोनू पटेल, ग्राम–कोटाडबरी** :– पीआईएल का समर्थन करता हूँ।

109. **श्री शशिकांत यादव, ग्राम–अफरीद** :–मैं प्लांट का पूर्ण रूप से सहमत करता हूँ।

110. **श्री भूपेन्द्र पाण्डेय** :– आज तक बेरोजगार हूँ। ठेका मिलना चाहिए।

111. **श्री मिथलेश पटेल, ग्राम–हथनेवरा** :– प्लांट में जाते है मैं सर से मिलना चाहता हूँ। प्लांट विस्तार का समर्थन करता हूँ। प्लांट बढे और आगे बढे।

112. **श्री रमेश चौहा, ग्राम–चांपा** :– प्रकाश इण्ड. का समर्थन करता हूँ।

113. **श्री दिगम्बर सिंहा वैश्य** :– मैं पीआईएल प्लांट विस्तार में पूर्ण रूप से समर्थन में हूँ।।

114. **श्री पवन सिंह चंदेल, ग्राम–हथनेवरा** :– पीआईएल विस्तार कर रहा है उसका पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ। आगे बढे।

115. **श्री रितेश सिंह** :– पीआईएल का समर्थन करते है और आगे भी समर्थन करते रहेंगे।

116. **श्री यशवंत सिंह वैश्य, ग्राम–हथनेवरा :–** मैं पीआईएल विस्तार का समर्थन करता हूँ।

117. **श्री गणेश टंडन, ग्राम–हथनेवरा** :–नये प्रोजेक्ट का समर्थन करता हूँ।

118. **श्री सेवक** :–आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब लगभग 2:40 बजे अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री ए.के. चतुर्वेदी डायरेक्टर के द्वारा M/s Prakash Industries Limited, Village-Hathneora, Tehsil-Champa, District-Janjgir-Champa (C.G.) के द्वारा परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को अवगत कराया गया। लगभग 2:45 बजे अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 32 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 118 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 250 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 146 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अपर कलेक्टर
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–जांजगीर–चांपा